एकलव्य
के प्रकाशन

हर किताब एक अनुभव

एकलव्य

शायद हम में से हर किसी ने कभी न कभी यह सोचा होगा कि काश स्कूली पढ़ाई बच्चों के लिए बोरियत भरा बोझ न होकर जीवन भर सीखने में सक्षम बनाने वाला अनुभव हो। एकलव्य इसी सपने को हर बच्चे के लिए साकार करने के प्रयास में जुटा है।

एकलव्य का गठन 1982 में हुआ। होशंगाबाद ज़िले में कार्यरत किशोर भारती और फ्रेंड्स रूरल सेंटर नाम की संस्थाओं के द्वारा सन् 1972 से स्कूलों में विज्ञान शिक्षण का एक नवाचारी पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा था। 1982 में इस होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम (होविशिका) के संचालन का दायित्व एकलव्य को सौंपा गया। इस काम के साथ-साथ एकलव्य ने माध्यमिक कक्षाओं के लिए सामाजिक विज्ञान और प्राथमिक कक्षाओं के लिए भाषा, गणित व पर्यावरण के समेकित पाठ्यक्रम (प्राशिका) का विकास किया। मध्य प्रदेश सरकार के सौजन्य से सन् 2002 तक एकलव्य के ये कार्यक्रम कुछ स्कूलों में प्रयोग के रूप में विकसित हुए। एकलव्य के इन कार्यक्रमों ने देश भर में पाठ्यक्रमों को बदलने की कोशिशों को बहुत तरह से सहयोग दिया है।

राष्ट्रीय स्तर पर एन.सी.ई.आर.टी. और कई राज्यों जैसे राजस्थान, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, असम की एस.सी.ई.आर.टी. के प्रयासों में एकलव्य योगदान करता रहा है। स्कूल स्तर की पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के अलावा 2006 के बाद से एकलव्य ने एम.ए इन एलीमेंटरी एजुकेशन और शिक्षकों के डी.एड. व बी.एड. के पाठ्यक्रमों व पठन सामग्री के निर्माण में भी भूमिका निभानी शुरू की है। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षकों की शिक्षा का काम सम्भालने वाले व्याख्याताओं के लिए सघन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी भी एकलव्य ने उठाई है।

स्कूली तंत्र के बाहर एकलव्य ने बच्चों, किशोरों, युवाओं के साथ पुस्तकालय, अध्ययन केंद्र, विचार गोष्ठी, चकमक क्लब, बाल समूह, युवा मंच जैसे कार्यक्रम मध्य प्रदेश के 5 ज़िलों में कई सालों तक संचालित किए हैं। इसी तरह इन 5 ज़िलों के 110 गाँव में (जिनमें आदिवासी बहुल वन ग्राम भी शामिल हैं) बच्चों के माता पिता व पालकों के साथ गठबन्धन करके स्कूल समय के अलावा 2 घण्टे के लिए शिक्षा प्रोत्साहन केन्द्र भी 2008 से 2014 तक संचालित किए गए। इन प्रयासों से समुदाय की शिक्षा में भागीदारी व सक्रियता को बढ़ावा मिला, गाँव के संचालकों को वैकल्पिक रूप से सीखने-सिखाने का अनुभव मिला और बच्चों की उपलब्धि में सुधार हुआ। 2014-15 में 50 गाँवों में ये केन्द्र संचालित हैं। 5 विकास खण्डों की अनेक माध्यमिक व प्राथमिक शालाओं में एकलव्य की ओर से गतिविधियों, पुस्तकालय आदि में सहयोग भी दिया जा रहा है।

अपने शैक्षिक सोच और अनुभवों को लोगों से साझा करने के उद्देश्य से एकलव्य संस्था तीन नियमित पत्रिकाओं और किताबों का प्रकाशन व वितरण करती है। हिन्दी व अँग्रेज़ी में प्रकाशित इस सामग्री में बाल साहित्य, गतिविधि की किताबें व चार्ट, पाठ्यचर्या से जुड़े मॉड्यूल, शैक्षिक ग्रंथ, शिक्षकों के लिए स्रोत सामग्री और शैक्षिक शोध पर आधारित रपट आदि भी शामिल हैं। पिछले वर्षों में हमने मराठी, बांग्ला और उर्दू के साथ ही बुन्देली, मालवी, गोंडी और कोरकू भाषाओं में भी बाल साहित्य का प्रकाशन किया है। हमारी कोशिश रहती है कि यह सामग्री आम पाठकों के जीवन अनुभवों और परिवेश के करीब हो और इनके दाम उनकी पहुँच में हों।

भारत भर के अन्यान्य प्रकाशकों व संस्थानों द्वारा तैयार की गई बेहतरीन बाल साहित्य और शैक्षिक सामग्री को पाठकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से एकलव्य ने पिटारा नाम से बाल साहित्य व गतिविधि केन्द्रों की एक श्रृंखला शुरू की है।

एकलव्य के काम के इस ताने-बाने को करीब से जानने के लिए आप हमारे भोपाल, होशंगाबाद, शाहपुर, केन्द्रों में आ सकते हैं। और जानकारी के लिए देखें www.eklavya.in या लिखें info@eklavya.in पर।

विषय सूची

चित्रकथाएँ	03
किताबों से दोस्ती की शुरुआत	03
नन्हे पाठकों के लिए	19
पढ़ने की आदत के लिए	23
लोककथाएँ	48
बिग बुक	65
कविताएँ	54
खेलगीत	69
बच्चों की कलम से	70
कविताएँ	70
कहानियाँ	71
नाटक बच्चों के लिए	73
उर्दू किताबें	74
चित्रकथाएँ	74
कविताएँ	78
किताब एक, भाषाएँ अनेक	79
करना और सीखना	82
माथापच्ची	88
किशोरों के लिए	91
कथा साहित्य	91
गैर-कथा साहित्य	111
शिक्षा साहित्य	123
शिक्षकों के लिए	127
कागज़ से कमाल	142
शोध और दस्तावेज़	143
प्राथमिक शिक्षा	146
सामाजिक अध्ययन कार्यक्रम	152
होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम	155
जनविज्ञान/जन सरोकार	157

चित्रकथाएँ

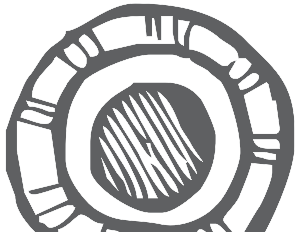

पठनशील समाजों में किताबों के साथ दोस्ती के पहले पायदान पर मिलती हैं चित्रकथाएँ। छोटे बच्चे, जो पढ़ नहीं पाते या जो पढ़ना सीख रहे हैं, उन्हें वही किताब भाती है जिसमें बड़े और सुन्दर चित्र हों। बड़े आकार के अक्षर पढ़ना सीखने में सहायक होते हैं। इस दृष्टि से चित्रकथाएँ और चित्रकविताएँ बहुउपयोगी माध्यम हैं। शुरुआत बच्चों को चित्र दिखाकर, कहानी पढ़कर सुनाते हुए करें। धीरे-धीरे वे चित्रों से अपनी कहानी गढ़ने लगेंगे। और खुद फिर किताब पढ़ने का आनन्द भी लेने लगेंगे।

किताबों से दोस्ती की शुरुआत

नन्हों को सुनने-सुनाने के लिए खास चित्रकथाएँ। इन कहानियों के पात्र बच्चों को खूब भाते हैं। चुलबुलेपन से भरी कहानियों के चित्रों को देखकर बच्चा खुद भी कहानी गढ़ सकता है।

हाथी और बकरी की दोस्ती की दास्तान। वे दोनों मिलकर एक चिड़िया की जान बचाते हैं और फिर तीनों दोस्त बन जाते हैं। एक सरल, सरस कहानी। चित्रों में रंग भरने की छूट भी।

तीन साथी
कहानीः घनश्याम तिवारी
चित्रः सौम्या मेनन
आकारः 5.5” X 4.0”
पृष्ठ संख्याः 12

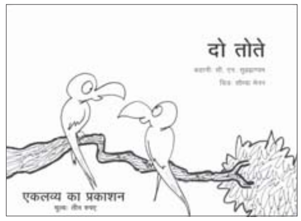

प्रकृति में जो कुछ है वह सभी का साझा है। बन्दर समझता है कि सारे आम उसके हैं। दोनों तोते समझदार हैं, वे बन्दर का दिल जीत लेते हैं।

दो तोते
कहानीः सी.एन. सुब्रह्मण्यम
चित्रः सौम्या मेनन
आकारः 5.5” X 4.0”
पृष्ठ संख्याः 6

www.eklavya.in

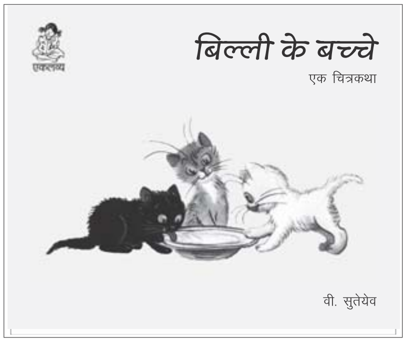

बिल्ली के तीन बच्चे हैं, एक काला, एक भूरा और एक सफेद। वे कभी चूहे के पीछे भागते हैं तो कभी मेंढक के पीछे। हर बार ऐसा कुछ होता है कि उनका रंग बदल जाता है। एक रोचक कहानी जो अनायास ही रंगों की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित करती है।

बिल्ली के बच्चे

चित्र एवं कहानीः

वी. सुतेयेव

ISBN: 978-81-89976-08-8

आकारः 8.5" X 7.0"

पृष्ठ संख्याः 16

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

The Three Kittens

ISBN: 978-81-89976-07-1

और बड़े आकार (11" x 17") में

ISBN: 978-81-89976-67-5

मेंढक को अपनी तैराकी पर गुमान था। उसके दोस्त चूज़ा, चूहा, चींटी और गुबरैला को तो तैरना नहीं आता था। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी, तरकीब लगाई और एक नाव बनाई। एक अनोखी नाव!

नाव चली

चित्र एवं कहानीः

वी. सुतेयेव

ISBN: 978-81-87171-92-8

आकारः 8.5" X 7.0"

पृष्ठ संख्याः 10

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

The Boat

ISBN: 978-81-89976-29-3

हर काम अपने दोस्त की तरह करने की सहज बाल-प्रवृत्ति पर आधारित एक प्यारी चित्रकथा।

मैं भी...

चित्र एवं कहानीः

वी. सुतेयेव

ISBN: 978-81-87171-90-4

आकारः 8.5" X 7.0"

पृष्ठ संख्याः 10

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Me Too...

ISBN: 978-81-89976-93-4

दोस्ती का क्या कहना! पल में तकरार तो पल में नोक-झोंक, फिर तुरन्त ही सब भूलकर खेल में खो जाना। चंचल बिट्टू और नटखट बिट्टी की चुलबुली सी कहानी। जिसमें झलकेगा दोस्ती का यही मिज़ाज।

एक थी बिट्टी एक था बिट्टू

कहानीः पारुल बत्रा
चित्रः शिवेन्द्र पाण्डिया
ISBN: 978-81-89976-99-6
आकारः 9.5” X 7.0”
पृष्ठ संख्याः 24

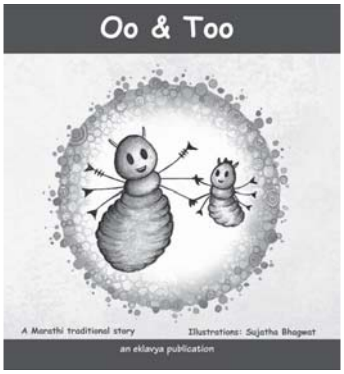

छुटकी टू के हर सवाल का जवाब माँ के पास था, पर एक सवाल का जवाब खुद टू के पास ही था। छोटे बच्चे द्वारा परिवेश और खुद को जानने की कोशिश को सामने लाती है जूँ और टू। इसे चित्रों ने सजीव कर दिया है।

जूँ और टू

मराठी से हिन्दी अनुवादः
माधव केलकर
चित्रः सुजाता भागवत
ISBN: 978-93-81300-02-2
आकारः 8.25” X 7.75”
पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
Oo & Too
ISBN: 978-93-81300-03-9
और मराठी में
ISBN: 978-93-81300-04-6

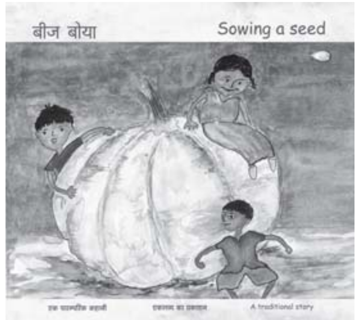

नन्हा-सा बीज किस तरह से बड़ा होता है और उसमें फूल और फल आते हैं। यह प्रक्रिया बच्चों में बड़ा कौतूहल जगाती है। उन्हें पौधों से रुबरू कराती है ये चित्रकथा। हिन्दी और अँग्रेज़ी में एक साथ होने से बच्चा दोनों ही भाषाओं से एक साथ संवाद कर पाता है।

बीज बोया

मराठी से हिन्दी अनुवादः
माधव केलकर
चित्रः श्रद्धा किरकिरे
ISBN: 978-93-81300-00-8
आकारः 8.25” X 7.75”
पृष्ठ संख्याः 16

मराठी-अँग्रेज़ी में
भी उपलब्ध

www.eklavya.in

चित्र किताबें

घोड़ा छड़ी संग आसमान की उड़ान। मिलना बादलों से, लौटना फिर धरती पर। चित्रों के जरिए बुनी कहानी। जिन्हें देखकर बच्चे खुद अपनी कहानी गढ़ सकते हैं।

The Walking Stick/ छड़ी

बी.वी. सुरेश

ISBN: 978-93-81337-63-9

आकारः 9"x 7"

पृष्ठ संख्याः 20

कहानी कागज़ की कश्ती और उसके सफर की। कहानी जो शब्दों में नहीं चित्रों में चलती है।

कश्ती

निशीथ महेता

ISBN: 9789387926264

आकारः 8.5" X 7.0"

पृष्ठ संख्याः 24

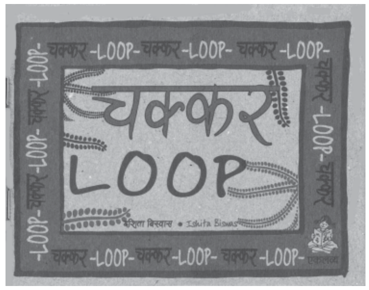

A tiny plant spurts out of soil. While growing it attracts various living creatures. By this sharing an ecosystem forms around the tree, and it becomes a world in itself. This ecosystem gets unsettled with ignorant human interference. The resulting unnatural change of circumstances could take the longest time to tackle with, considering if realized. This wordless book is useful for early readers.

Loop / चक्कर

Ishita Biswas

ISBN: 978-93-85236-20-4

Pages: 20

Size: 6.5"X5.0"

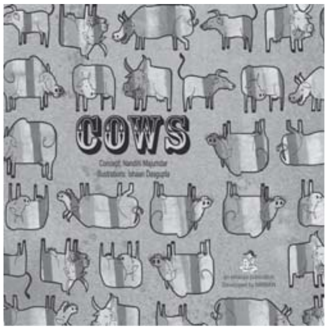

A counting book for young readers that features the sometimes active and sometimes lazing but forever fascinating cows on the streets of Varanasi. The images on each page offer a rich resource for picture-reading and group talk.

Cows

Concept:
Nandini Majumdar
Illustrations:
Ishaan Dasgupta
ISBN: 978-93-81300-44-2
Size: 8.5 x 8.5
Pages: 12

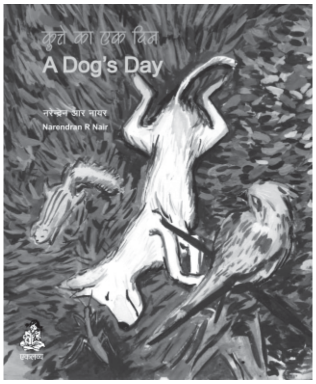

Have you ever thought what a day in the life of a dog must be like? What does it do all day...? Flip through these pages to find out. This is a Wordless Picture Book, which has been created by Narendran R Nair from MSU, Baroda

A Dog's Day
कुत्ते का एक दिन

Narendra N Nair
ISBN: 978-93-85236-35-8
Pages: 22

www.eklavya.in
www.eklavya.in

अकॉर्डियन किताबें

शुरुआती पढ़ना सीख रहे बच्चों को किसी किताब के केवल चित्र और टेक्स्ट ही नहीं बल्कि उसका स्वरूप भी प्रभावित करता है। आप जानते हैं कि हर स्वरूप और आकार की किताबों या पोस्टर का इस्तेमाल तरह-तरह से किया जा सकता है। आकार और स्वरूप की विविधता को ध्यान में रखते हुए ही एकलव्य ने हाल ही में कुछ अकॉर्डियन किताबें विकसित की हैं। अकॉर्डियन एक तरह का वाद्य यंत्र है। इसलिए अकॉर्डियन का नाम सुनते ही ज़हन में इस वाद्य यंत्र की तस्वीर उभरती है। जो हवा के उतार-चढ़ाव के साथ सुन्दर ध्वनि निकालता है। अकॉर्डियन किताबों का स्वरूप भी इस वाद्य यंत्र की तरह ही है। इसका उपयोग शैक्षिक जगत् में खास तौर पर पुस्तकालयों और कक्षाओं में मज़ेदार ढंग से किया जा सकता है।

धम्मक धम्मक
कविताः प्रयाग शुक्ल
चित्रः नीना भट्ट
ISBN: 978-93-81337-87-5
आकारः 6"x7.5"
पृष्ठ संख्याः 12

बज़ार
कविताः प्राशिका समूह
चित्रः प्रशान्त सोनी
ISBN: 978-93-81337-85-1
आकारः 6"x7.5"
पृष्ठ संख्याः 12

आम के सर पे
कविताः सुशील शुक्ल
चित्रः लोकेश खोड़के
ISBN: 978-93-81337-86-8
आकारः 6"x7.5"
पृष्ठ संख्याः 12

आओ बादल
कविताः श्याम सुशील
चित्रः प्रोइती राय
ISBN: 978-93-85236-41-9
आकारः 6"x7.5"
पृष्ठ संख्याः 12

लाल पहाड़ / Red Hill

संकल्पना व चित्रः वास्ती ओज़ा

ISBN: 978-93-85236-48-8

आकारः 6"x7.5"

पृष्ठ संख्याः 12

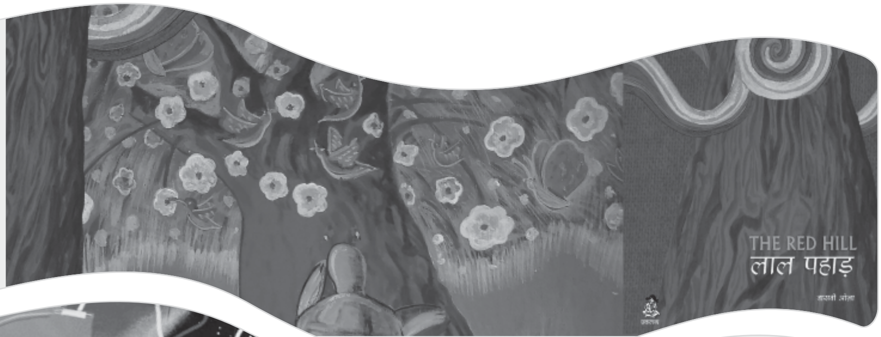

पतंग

कविताः राजेश जोशी

चित्रः सुविधा मिस्त्री

ISBN: 978-93-85236-43-3

आकारः 6"x7.5"

पृष्ठ संख्याः 12

क्या बात हो गई?

कविताः प्रभात

चित्रः हीरा धुर्वे

ISBN: 978-93-85236-40-2

आकार: 6" × 6.5"

पृष्ठ संख्या: 12

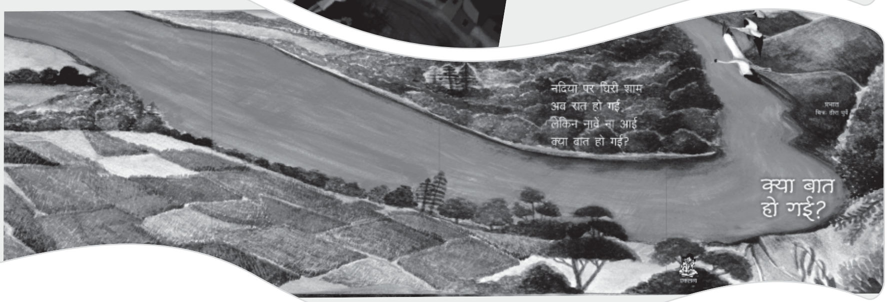

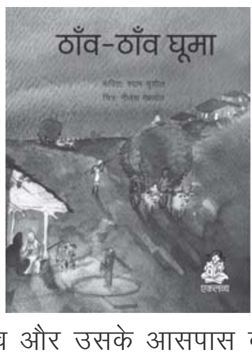

गाँव और उसके आसपास के जीवन के रस से सराबोर एक कविता।

ठाँव-ठाँव घूमा

श्याम सुशील

चित्र: निलेश गहलोत

ISBN: 978-93-85236-69-3

आकार: 6" × 6.5"

पृष्ठ संख्या: 12

दोस्ती की मज़ेदार कहानी।

आबू - साबू

श्याम सुशील

चित्र: अमृता

ISBN: 978-93-85236-70-9

आकार: 6" × 6.5"

पृष्ठ संख्या: 12

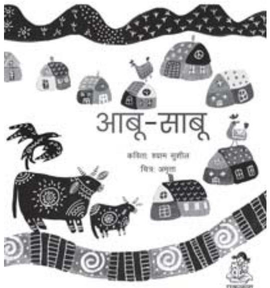

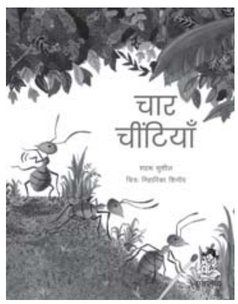

चार चींटियाँ पहाड़ तक कैसे पहुँची – उस मज़ेदार सफर को सुन्दर चित्रों के साथ बयाँ करती एक कविता।

चार चींटियाँ

श्याम सुशील

चित्र: निहारिका शिनॉय

ISBN: 978-93-87926-09-7

आकार: 6" × 6.5"

पृष्ठ संख्या: 12

www.eklavya.in

कहानियों को पढ़ने और देखने का मज़ा साथ-साथ

__हमारी गाय जनी__, __बैठा आस लगाए जल्दी साल पूरा हो जाए__ और __मुझे कोई नहीं खिलाता__ इन तीनों चित्रकथाओं के साथ उपहार के तौर दी जा रही है __3 ऐनीमेशन फिल्मों की एक डी.वी.डी.__। यानि आप इन तीनों में से कोई भी चित्रकथा खरीदें तो आपको यह तोहफा ज़रूर मिलेगा। है ना, बढ़िया गिफ्ट।

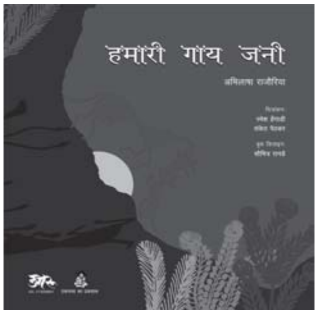

सुबह चार बजे से घर में हलचल थी। नन्दा गाय ने जन्मा मन्ना। फिर तो घर के बच्चों का मन कहीं नहीं लगा। प्यारी-सी कहानी जो इन्सान और जानवर के बीच के रिश्ते को सहजता और संवेदनशीलता के साथ सामने रखती है।

हमारी गाय जनी

अभिलाषा राजौरिया
चित्र : रमेश हेंगाड़ी, संकेत पेठकर
बुक डिज़ाइनः सौमित्र रानडे
ISBN: 978-93-81300-56-5
आकारः 9"x 9"
पृष्ठ संख्याः 24

कैसा लगता है जब आपके हमउम्र साथी आपको खेल में शामिल ही न करें। खेल मात्र खेल नहीं बल्कि इससे बनता है दोस्ती का रिश्ता। स्कूल के परिवेश में बालमन की बात साझा करती कहानी।

मुझे कोई नहीं खिलाता

देवकरण पाटीदार
मूल चित्रकारः ध्रुबा चटर्जी, वालेन मेनीज़ीज़, ऑस्टिन रॉजर्स
चित्र सज्जाः शिल्पा रानडे
बुक डिज़ाइनः सौमित्र रानडे
ISBN: 978-93-81300-55-8
आकारः 9"x 9"
पृष्ठ संख्याः 28

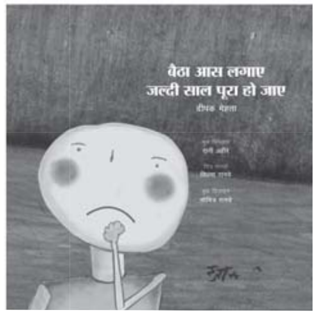

सभी दोस्तों के पास थी साइकिल। उसे था साइकिल का इन्तज़ार। आखिरकार इन्तज़ार खत्म हुआ और साइकिल मिली पर फिर दूसरी मुश्किल सामने थी। अरे भई, साइकिल चलाने की!

बैठा आस लगाए जल्दी साल पूरा हो जाए

दीपक मेहता
मूल चित्रकारः रानी अहीरे
चित्र सज्जाः शिल्पा रानडे
बुक डिज़ाइनः सौमित्र रानडे
ISBN: 978-93-81300-54-1
आकारः 9"x 9"
पृष्ठ संख्याः 24

eklavya

What do you do at night? you sleep, naturally. And what does the river do? Does it sleep too? And the breeze? And the fishes? Find out in this beautiful book embroidered in Zardozi.

The River at Night

Nandini Majumdar

Art: Zarina khatun

ISBN: 978-93-81300-47-3

Size: 7 x 9.5

Pages: 16

This book is also available in Hindi

रात में नदी

ISBN : 978-93-81337-37-0

Red, yellow and blue go on a search for new friends. What do they find? Join them in their colourful ride.

Three Friends

Indu Harikumar

ISBN: 978-93-81300-65-7

Size: 7 x 8.5

Pages: 24

This book is also avaliable in Hindi

तीन दोस्त

ISBN: 978-93-81300-66-4

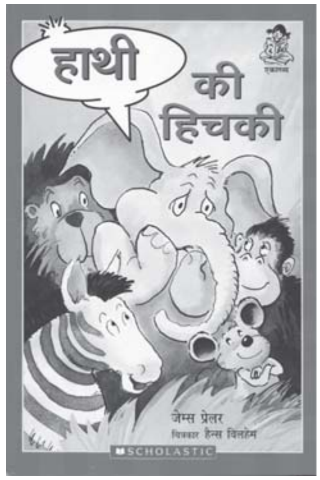

सब जानवर सो रहे हैं... हाथी को छोड़कर। उसे हिचकी आ रही है। उसके दोस्त उसे उपाय बताते हैं। वह आज़माता है... एक के बाद एक। फिर हिचकी का क्या होता है?

हाथी की हिचकी

कहानीः जेम्स प्रेलर

अनुवादः पूर्वा वर्मा

चित्रः हैन्स विलहेम

ISBN: 978-81-7655-674-3

आकारः 6” x 9”

पृष्ठ संख्याः 32

स्कॉलास्टिक के साथ सह-प्रकाशन

-The book review

The River at Night

The story and the artwork together create an atmosphere of gentle peace in which the reader is invited to hear the music of quietly flowing river.

www.eklavya.in

A stitch a hem and the clouds get trapped. A wave of the thread and the wind comes blowing. A prick of the needle and the clouds burst in to rain. Let's get drenched...

Rain

Nandini Majumdar

Art: Rafia Bano

ISBN: 978-93-81300-46-6

Size: 8.5 x 8.5

Pages: 12

This book is also available in Hindi

बारिश

ISBN : 978-93-81337-36-3

अगर सड़क पर चलते-चलते अचानक तुम्हें एक साँप मिल जाए तो क्या करोगे? क्या सोचना चाहोगे? जवाब मुश्किल नहीं। पर इस मुलाकात के बारे में साँप ने क्या सोचा होगा, कभी सोचा है तुमने?

साँप ने सोचा

कहानीः अशोक हुसैन

चित्रः मुत्थु (बिदिया)

ISBN: 978-93-81300-92-3

आकारः 7"x 8.5"

पृष्ठ संख्याः 20

पतंग उड़ी, उड़ी और उड़ती चली आसमान में। फिर जा अटकी चाँद पर। जब वापस धरती पर लौटी तो अपने साथ लाई....।

पतंग की करामात

कहानीः निकोलस बर्न

चित्रः प्रिया

कवर डिज़ाइनः सौम्या मेनन

ISBN: 978-93-81300-91-6

आकारः 7"x 8.5"

पृष्ठ संख्याः 16

छाता, गेंद और डिब्बा घूमने निकले। इस दौरान क्या-क्या हुआ जानने के लिए पढ़ें यह चित्रकथा जो नन्हे पाठकों को चित्रों के ज़रिए नई कहानी गढ़ने और चित्रों में रंग भरने का भरपूर मौका देगी।

सैर

चित्रः वाग्मी राघव

आकारः 4"x 5.5"

पृष्ठ संख्याः 16

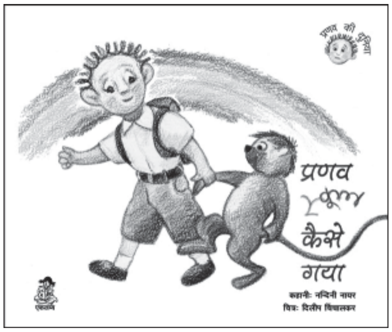

प्रणव को स्कूल जाना है। वह अपने हाथी, बन्दर और बाकी खिलौनों को भी साथ ले जाना चाहता है। घर की परिचित और सुरक्षित दुनिया से बाहर पहला कदम रखने की जद्दोजहद की कहानी। किताब के आखिरी पन्नों में आप कहानी अँग्रेज़ी में भी पढ़ सकते हैं।

प्रणव स्कूल कैसे गया

कहानीः नन्दिनी नायर
अनुवादः शिवनारायण गौर
चित्रः दिलीप चिंचालकर
ISBN: 978-81-89976-53-8
आकारः 8.5" X 7"
पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
How Pranav Went to School?
ISBN: 978-81-89976-52-1

प्रणव पहुँच गया है स्कूल। कक्षा में बहुत सारे बच्चे हैं। उनमें से कुछ रो रहे हैं और कुछ सहमे हैं। ये प्रणव के लिए एकदम नया है। क्या महसूस किया प्रणव ने पहले दिन? क्या वो भी रोने लगा?

स्कूल में प्रणव का पहला दिन

कहानीः नन्दिनी नायर
अनुवादः शिवनारायण गौर
चित्रः दिलीप चिंचालकर
ISBN: 978-81-89976-86-6
आकारः 8.5" X 7"
पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
Pranav's first day at school
ISBN: 978-81-89976-87-3

मेंढक को भूख लगी है। उसे कुछ खाने को चाहिए। एक मक्खी उड़ती हुई आती है। उसके पास आकर गुनगुनाती है। और फिर....

मेंढक का नाश्ता

कहानीः डी. लिल्लेगार्ड
अनुवादः अरुंधती देवस्थले
चित्रः जैरी ज़िम्मरमैन
ISBN: 978-81-7655-981-4
आकारः 7.25" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 16
स्कॉलास्टिक के साथ सह-प्रकाशन

www.eklavya.in

पढ़ना शुरू करने के लिए 18 किताबों का सेट

चित्रकथाएँ, जिनमें बच्चों और बचपन की अलग-अलग बातों को दर्शाया गया है। इन चित्रकथाओं में नई चीज़ों को पाने की इच्छा, खेल का मज़ा, भाई-बहनों के बीच का रिश्ता, आसपास की दुनिया को देखना... सभी कुछ है। एक-एक लाइन की कहानियाँ, जिन्हें बच्चे सुनकर और पढ़कर दोनों ही तरीकों से मज़ा लेंगे। साथ ही बोलते हुए चित्र बच्चों को अपनी खुद की नई कहानियाँ गढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। हिन्दी व अँग्रेज़ी की ये द्विभाषी किताबें दोनों भाषा से परिचय कराएँगी।

18 किताबों के इस सेट को भाषा और अवधारणा के स्तर पर तीन खण्डों में बाँटा गया है। लिपि से अपरिचित बच्चों से लेकर लिपि से वाकिफ बच्चे और बच्चों में रुचि रखने वाले बड़े – सभी इनका आनन्द ले पाएँगे।

कहानीः अरुणा ठक्कर
चित्रः राव बेल
आकारः 5.2" x 5.5"

पहले स्तर की पीली पुस्तिकाएँ

पृष्ठ संख्या: 8

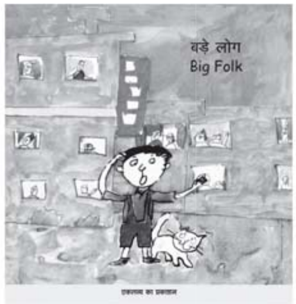

बड़े लोग

Big Folk

ISBN: 978-93-81300-13-8

दरवाज़ा खोलना

Opening the door

ISBN: 978-93-81300-15-2

मुन्नी दीवार पर चढ़ गई

Munni climbed up the wall

ISBN: 978-93-81300-16-9

छोटा

Small

ISBN: 978-93-81300-14-5

मैं पतंग उड़ाता हूँ

I fly a kite

ISBN: 978-93-81300-17-6

केले का ठेला

The Banana cart

ISBN: 978-93-81300-18-3

www.eklavya.in
www.eklavya.in

अम्मा की साड़ी

Amma's sari

ISBN: 978-93-81300-30-5

तेज़ भागना

Going fast

ISBN: 978-93-81300-24-4

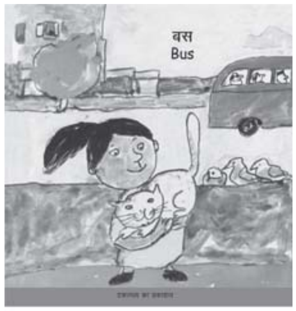

बस

Bus

ISBN: 978-93-81300-26-8

बाबा मुझे...

Baba, I...

ISBN: 978-93-81300-27-5

पुलिसवाला

Policeman

ISBN: 978-93-81300-29-9

मुन्ना

Munna

ISBN: 978-93-81300-25-1

साबुन

Soap

ISBN: 978-93-81300-28-2

तीसरे स्तर की गुलाबी पुस्तिकाएँ

पृष्ठ संख्याः 16

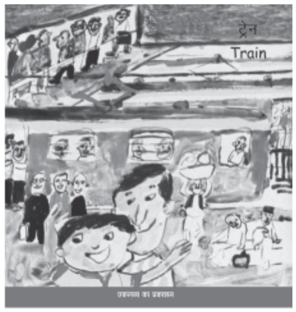

ट्रेन

Train

ISBN: 978-93-81300-19-0

पेपर

Newspaper

ISBN: 978-93-81300-22-0

गेंद डाल

Bowl

ISBN: 978-93-81300-21-3

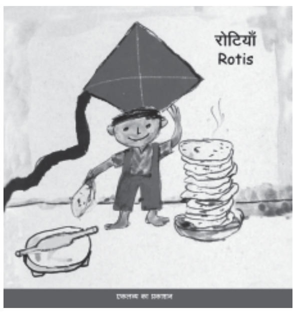

रोटियाँ

Rotis

ISBN: 978-93-81300-20-6

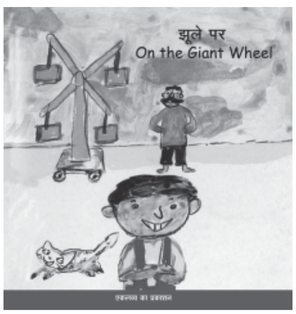

झूले पर

On the Giant Wheel

ISBN: 978-93-81300-23-7

www.eklavya.in

आओ पढ़ें

आओ पढ़ें सेट में 11 किताबें हैं। ये किताबें बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने में शिक्षकों और अभिभावकों की मदद करती हैं। किताबों की विषय–वस्तु बच्चों की जानी–पहचानी दुनिया से ली गई हैं। छोटे वाक्य, बार–बार दोहराए गए शब्द, रोचक चित्र इत्यादि का ध्यान रखते हुए विकसित हुई ये सभी किताबें शुरुआती पढ़ना सीख रहे बच्चों के लिए खास तौर पर उपयोगी हैं। ये द्विभाषी – हिन्दी व अँग्रेज़ी – किताबें हैं।

लेखनः मिनी श्रीनिवासन चित्रः जयन्ती मनोकरण

ISBN: 978-93-81300-89-3 आकारः 5.5” X 5.5”

मेरा नया डिब्बा

My New Lunch Box

ISBN: 978-93-81300-78-7

कागज़ लाओ, खेल खेलो!

Fun with Paper

ISBN: 978-93-81300-84-8

मेरी फोटो

My Photo

ISBN: 978-93-81300-87-9

कागज़ लाओ, खेल खेलो!

Too Much Noise!

ISBN: 978-93-81300-79-4

खिड़की पर

At The Window

ISBN: 978-93-81300-85-5

जंगल में कौन–कौन?

Who’s In The Jungle?

ISBN: 978-93-81300-86-2

खिलौने

Toys

ISBN: 978-93-81300-88-6

नई लड़की

The New Girl

ISBN: 978-93-81300-81-7

मेरी बहन और मैं

My Sister And Me

ISBN: 978-93-81300-83-1

साबुन के बुलबुले

Soap Bubbles

ISBN: 978-93-81300-82-4

मेरा साफ–सुथरा स्कूल

My School Is Clean

ISBN: 978-93-81300-80-0

नन्हे पाठकों के लिए

किताबों की रंग-रंगीली दुनिया में नन्हें पाठकों का स्वागत है। ये किताबें उन नन्हे-नन्हियों के लिए हैं, जिन्होंने पढ़ना सीख लिया है। वे खुद पढ़कर इन छोटी और मज़ेदार चित्रकथाओं का आनन्द ले सकते हैं। बड़े अक्षरों, छोटे वाक्यों और सुन्दर चित्रों से सजी किताबें...

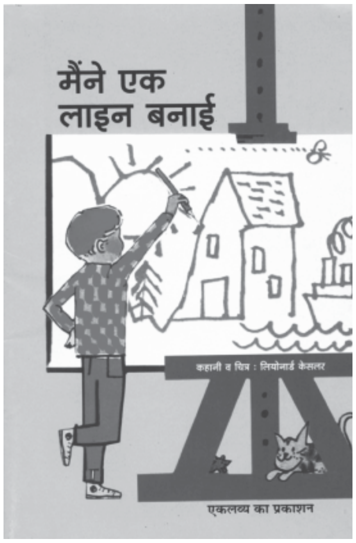

लाइन चलती है, बढ़ती है, घूमती है, चक्कर खाती है, घेरा बनाती है, ऊपर चढ़ती है, नीचे उतरती है.... और भी बहुत कुछ करती है। और इस सबके साथ तरह-तरह के आकार रूप लेने लगते हैं। सम्भावनाओं के द्वार खोलती एक रोचक किताब, जो कहानी भी है और गतिविधि भी।

मैंने एक लाइन बनाई

कहानी व चित्रः लियोनार्ड केसलर

अनुवाद : तेजी ग्रोवर

ISBN: 978-81-87171-74-4

आकारः 5.5" X 8.5"

पृष्ठ संख्याः 60

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

I made a Line

ISBN: 978-81-87171-76-8

ऊपर वाले कमरे से मुर्गी का अण्डा लुढ़ककर सीढ़ियों से नीचे आने लगा। फिर वो लुढ़कता गया, लुढ़कता गया और लुढ़कता ही गया। उसकी खोज में मुर्गी पीछे-पीछे चलती गई, चलती गई और चलती ही गई। रास्ते में उसे जो भी मिला उससे पूछा, "तुमने मेरा अण्डा तो नहीं देखा?" क्या उसे अण्डा मिला...?

तुमने मेरा अण्डा तो नहीं देखा?

चित्रः कनक

ISBN: 978-81-87171-80-5

आकारः 7" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 24

रूसी ने एक चित्र बनाया... उसकी दोस्त पूसी के लिए एक घर। घर में क्या-क्या चाहिए... यह सब पूसी बताती जाती है... और रूसी बनाती जाती है...। मगर आखिर में पूसी नाराज़ क्यों हुई?

रूसी और पूसी

चित्र एवं कहानीः वी. सुतेयेव

ISBN: 978-81-89976-91-0

आकारः 7" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Rusi and Pussy

ISBN: 978-81-89976-24-8

www.eklavya.in
www.eklavya.in

चाँद सबको प्यारा लगता है। हलीम जानना चाहता था कि चाँद पर क्या कुछ है। पढ़िए हलीम के चाँद पर जाने की रोचक कथा।

_हलीम चला चाँद पर_

कहानीः सी.एन. सुब्रह्मण्यम

चित्रः प्रिया कुरियन

आकारः 5.5" X 4.0"

पृष्ठ संख्याः 12

चूहे को भूख लगी है। वह खाने के लिए कुछ तलाश कर रहा है... उसे मिलती है एक पेंसिल। चूहा उसे कुतरना चाहता है, मगर पेंसिल चाहती है... बचकर भाग निकलना। पढ़िए वह क्या करती है....

चूहे को मिली पेंसिल

कहानी एवं चित्रः वी. सुतेयेव

ISBN: 978-81-87171-91-1

आकारः 8.5" X 7"

पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में उपलब्ध

The Mouse and the Pencil

ISBN: 978-81-89976-23-1

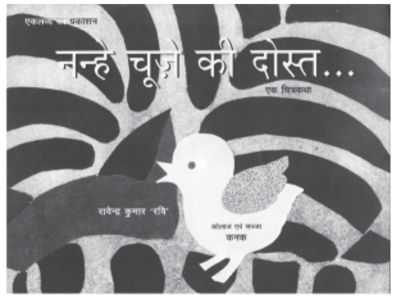

मुर्गी माँ यह देखकर हैरान है कि बिल्ली उसके नन्हे चूज़े के साथ क्या कर रही है? कहीं खा तो नहीं जाएगी?

मगर चूज़ा अपनी नई दोस्त के साथ खेलने में मस्त है। एक मज़ेदार कहानी और कोलाज शैली के जीवन्त चित्र।

_नन्हे चूज़े की दोस्त..._

कहानीः रावेन्द्र कुमार 'रवि'

कोलाज एवं सज्जाः कनक

ISBN: 978-81-87171-55-3

आकारः 11.0" X 8.25"

पृष्ठ संख्याः 12

eklavya

एक दिन नीलोफर की मुस्कान गायब हो गई। उसने हर जगह तलाश की पर मुस्कान कहीं न मिली। फिर नीलोफर ने क्या किया? कैसे लौटी नीलोफर की मुस्कान?

नीलोफर की मुस्कान

कहानीः अक़रम ग़ासेमपोर
अँग्रेज़ी से अनुवादः शशि सबलोक
चित्रः नसीम आज़ादी

ISBN: 978-81-906971-7-0

आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 24

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
Niloufer's Smile

ISBN: 978-93-81337-60-8

ठण्ड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल-मटोल बन जामुन के पेड़ के नीचे सो रहा था। मगर भालू ने उसे फुटबॉल समझा। पहले थोड़ा खेल हुआ और फिर मुसीबत! अत्यन्त दिलचस्प कथा। कमाल के एक्शन-चित्र।

भालू ने खेली फुटबॉल

कहानीः हरदर्शन सहगल
चित्र तथा आवरणः
रंजित बालमुचु

ISBN: 978-81-87171-28-7

आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 16

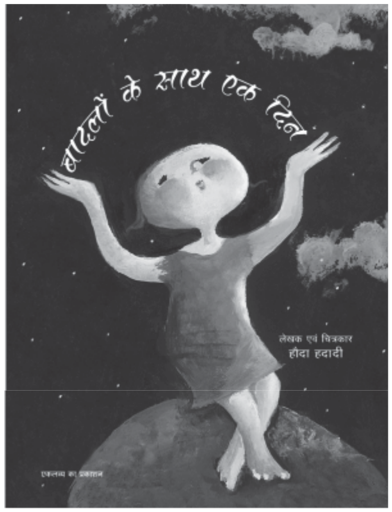

बादलों के ताने-बाने से बुनी हुई दिल को छू लेने वाली कहानी। एक दिन बादल आए, ठहर गए पर बरसे नहीं। दो छोटी लड़कियों ने बादलों से बारिश करवाने के लिए किए जतन, फिर बादल ऐसे झूमे कि उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उम्मीद जगाती इस कहानी के चित्र भी मन मोह लेते हैं।

बादलों के साथ एक दिन

कहानी एवं चित्रः हौदा हदादी
अँग्रेज़ी से अनुवादः शिवनारायण गौर

ISBNः 978-81-906971-2-5

आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 24

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
My Day with the Clouds

ISBN: 978-93-81337-59-2

www.eklavya.in
www.eklavya.in

नन्हा बाघा दहाड़ना चाहता है, सबको डराना चाहता है... अपनी माँ की तरह। मगर उससे कोई डरता नहीं। नन्हा बाघा है कौन...?

नन्हा बाघा

कहानी व चित्रः सुपूर्णा सिन्हा
बांग्ला से अनुवादः टुलटुल बिस्वास
कवर डिज़ाइनः राकेश खत्री
ISBN: 978-81-89976-20-0
आकारः 7.25" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 24

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
Little Bagha
ISBN: 978-81-89976-21-7

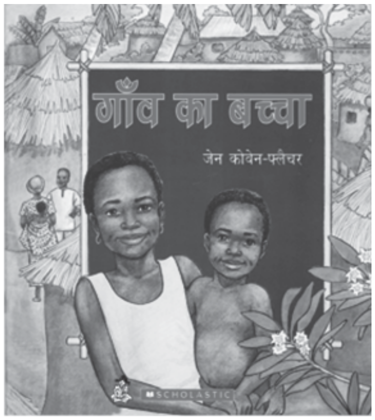

पूरा गाँव लगता है एक बच्चे को पालने में। यह बात येमी को तब समझ में आई जब बाज़ार में वह अपने छोटे भाई को खो देने के बाद फिर पा लेती है। अद्भुत चित्रों से सजी एक अफ़्रीकी कथा, जो दुनिया के हर गाँव की हकीकत है।

गाँव का बच्चा

कहानी व चित्रः
जेन कोवेन-फ्लेचर
अनुवादः अरुंधती देवस्थले
ISBN: 978-81-7655-907-2
आकारः 8" X 9"
पृष्ठ संख्याः 32
स्कॉलास्टिक के साथ सह-प्रकाशन

-The book review

Little Bagha
...is a charming book, sure to appeal to children. A child's vivid imagination provides the basis for the events in this stage.

पढ़ने की आदत के लिए

ये चित्रकथाएँ उन शौकीन पढ़ाकुओं के लिए हैं जो किताबों का मज़ा लूटते हुए बढ़ रहे हैं और बढ़ते हुए और पढ़ना चाहते हैं।

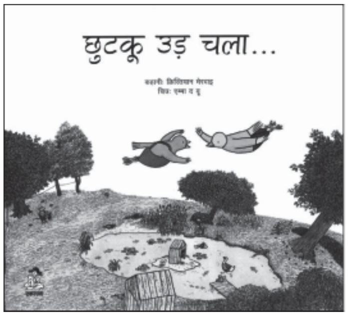

छुटकू पंछी घोंसले में रहते हुए ऊब गया है और देखना चाहता है दुनिया को। जानना चाहता है कि कैसे जीते हैं बाकी। उसका सामना होता है नई-नई बातों से। छोटे बच्चे के मन में दुनिया के बारे में जिस तरह का कौतूहल है छुटकू पंछी उन्हीं को तो जी रहा है।

छुटकू उड़ चला

कहानीः क्रिस्तियान मेरवाई

चित्रः एम्मा द वू

अँग्रेज़ी से अनुवादः दीपाली शुक्ला

ISBN: 978-81-7925-274-1

आकारः 7” X 9.5”

पृष्ठ संख्याः 24

ज्योत्स्ना प्रकाशन के साथ प्रकाशित

धोबी का एक गधा है, नाम है नटखट गधा। उसे नहीं पता कि सरकस क्या होता है। जानने के लिए एक दिन वह घुस जाता है सरकस के तम्बू में। फिर मचती है धमा-चौकड़ी, मगर गधे को सज़ा नहीं मिलती, मिलता है कुछ और....

नटखट गधा

मूलकथाः आचार्य विष्णुकान्त पाण्डेय

चित्रकथा रूपान्तरणः

राजेश उत्साही

चित्रः रंजित बालमुचु

ISBN: 978-81-87171-45-4

आकारः 11” X 8.25”

पृष्ठ संख्याः 16

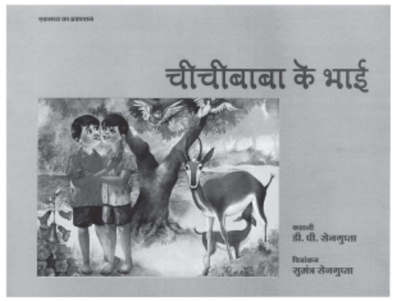

दो भाइयों के बीच प्रेम और नफरत की कहानी। उनकी नफरत आगे चलकर एक देश को बाँटकर दो मुल्क बना देती है। मगर आखिर जीत तो प्यार की होती है। बढ़ते बच्चों के साथ युद्ध और शस्त्रों की होड़ की निरर्थकता पर संवाद करने का एक प्रयास।

चीचीबाबा के भाई

कहानीः डी. पी. सेनगुप्ता

अनुवादः अरविन्द गुप्ता

चित्रः सुमंत्र सेनगुप्ता

ISBN: 978- 81-87171-42-3

आकारः 11” X 8.25”

पृष्ठ संख्याः 32

www.eklavya.in

झींगुर गा ना पाए!

जंगल की सुन्दरता देखने के लिए लम्बी यात्रा करके झींगुर जंगल में पहुँचा। रात घिरने पर, उसने जब साज़ थामा और गाना शुरू किया तो अलग-अलग आवाज़ों ने उसके गाने में बाधा डाली। पर अन्त में झींगुर ने मधुर सुर छेड़े और वह गाता रहा... गाता रहा।

कहानीः फरीदा खल्अतबरी
अँग्रेज़ी से अनुवादः सुमित त्रिपाठी
चित्रः अज़िता आरता
ISBN: 978-81-906971-1-8
आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 20

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
The Cricket Who Could Not Sing
ISBN: 978-93-81337-61-5

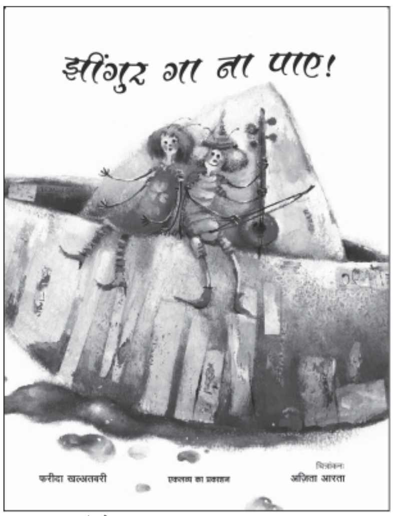

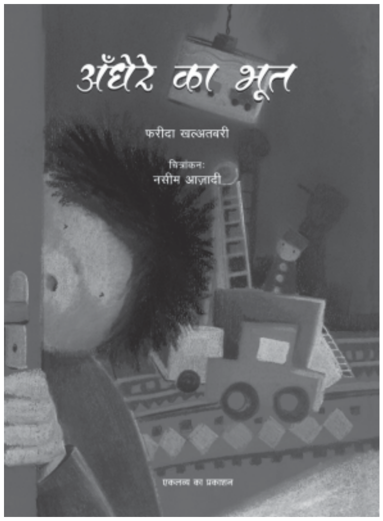

हर छोटी-बड़ी आहट से डर जाता था वो। तभी तो स्कूल के बच्चों ने उसे नाम दिया था, नन्हा चूहा। एक बच्चे के मन में बसे डर, उसके कारण और उससे लड़ने की उसकी कोशिश की कहानी।

अँधेरे का भूत

कहानीः फरीदा खल्अतबरी
अँग्रेज़ी से अनुवादः दीपाली शुक्ला
चित्रः नसीम आज़ादी
ISBN: 978-81-906971-0-1
आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 16

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
The Shadow of Darkness
ISBN: 978-93-81337-58-5

शहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा?

अकबर सीखना चाहते हैं, ज्ञानी बनना चाहते हैं। मगर उन्हें सिखाएगा कौन? बीरबल इसका इन्तज़ाम करते हैं, मगर अपने तरीके से...। तो, शहंशाह अकबर को कौन सिखाएगा?

एक अवेही-अबकस कथा
चित्रः दीपा बलसावर
डिज़ाइनः प्रीति राजवाड़े
अँग्रेज़ी से अनुवादः संध्या गाँधी वकील व दीपाली शुक्ला
ISBN: 978-81-89976-72-9
आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
Who will teach Emperor Akbar?
ISBN: 978-81-89976-71-2

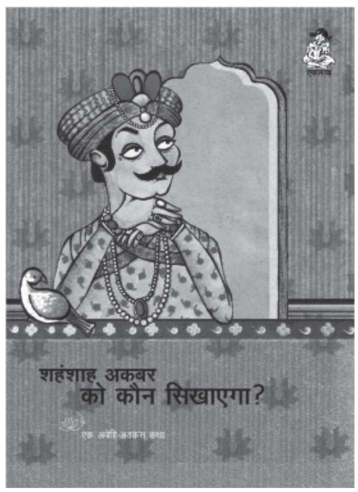

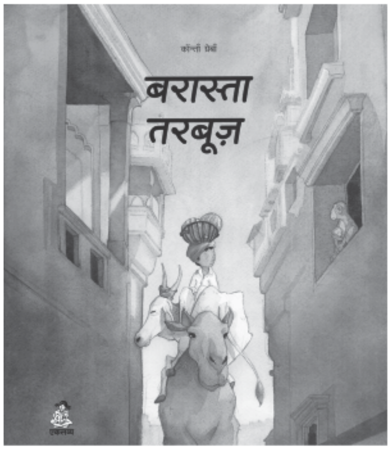

सासौ ने बाज़ार में देखी एक लड़की!और सासौ को हो गया प्यार! वो चल पड़ा अपनी प्रेमिका को तोहफा देने। सासौ के प्रेम के कठिन सफर की खूबसूरत दास्तान है बरास्ता तरबूज़।

बरास्ता तरबूज़

कहानी व चित्रः कॉन्ताँ ग्रेबाँ

अँग्रेज़ी से अनुवादः शिवनारायण गौर

ISBN: 978-81-7925-273-4

आकारः 8.5" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 24

ज्योत्स्ना प्रकाशन के साथ प्रकाशित

एक अण्डे से जुड़ते हैं कई सपने। उसमें से बतख निकलेगी या चिड़िया, ये कोई नहीं जानता। पर जो भी बाहर आए उसे सब अपनी तरह से पालेंगे ये तो तय है। दोस्तों की दोस्ती और एक छोटे बच्चे से हुए अपनेपन को चित्रों ने मधुर बना दिया है।

हमारा जॉन

कहानीः वेरॉनीक वैं दाँ अबील

अँग्रेज़ी से अनुवादः अमित

चित्रः एम्मा द वू

ISBN: 978-81-7925-275-8

आकारः 9.5" X 8.5"

पृष्ठ संख्याः 24

ज्योत्स्ना प्रकाशन के साथ प्रकाशित

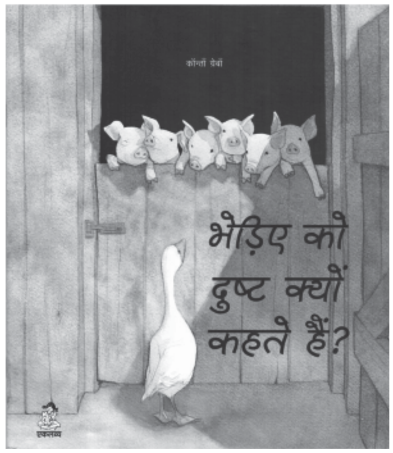

एक आम भेड़िया तब्दील हो गया खूँखार भेड़िए में। कैसे हुआ? क्या किया जो बातों के दौर बढ़ते गए... और साथ ही दहशत भी। थोड़ा, बस थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर कही गई एक रोचक कहानी।

भेड़िए को दुष्ट क्यों कहते हैं?

कहानी व चित्रः कॉन्ताँ ग्रेबाँ

अँग्रेज़ी से अनुवादः सुमित त्रिपाठी

ISBN: 978-81-7925-272-7

आकारः 8.5" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 24

ज्योत्स्ना प्रकाशन के साथ प्रकाशित

www.eklavya.in

टिंटी कहती है, "मैं तो बिल्ली हूँ!" मगर वह बिल्ली की तरह कुछ नहीं कर पाती। वह माँ की कोई बात नहीं मानती। उसे सारा दिन घर में अकेला रहना पड़ता है, खाना भी नहीं मिलता। शाम को वह फिर टिंटी बन जाती है, अपनी माँ की बेटी! एक कामकाजी बच्ची के जीवन के एक अल्हड़ दिन की झलक।

मैं तो बिल्ली हूँ!

कहानीः रिनचिन

अँग्रेज़ी से अनुवादः सुशील जोशी

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर

ISBN: 978-81-89976-66-8

आकारः 8.5" X 7"

पृष्ठ संख्याः 20

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

I am a Cat!

ISBN: 978-81-89976-65-1

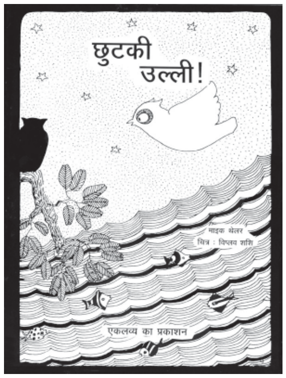

छुटकी उल्ली बहुत जिज्ञासु है। वह प्रकृति के रहस्यों को जानना चाहती है.. आसमान की ऊँचाई और समुन्दर की गहराई नापना चाहती है। माँ उसे सिखाती है... खोज करना और पता लगाना।

छुटकी उल्ली

कहानीः माइक थेलर

अँग्रेज़ी से अनुवादः तेजी ग्रोवर

चित्रः कनक

ISBN: 978-81-87171-66-9

आकारः 7" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 12

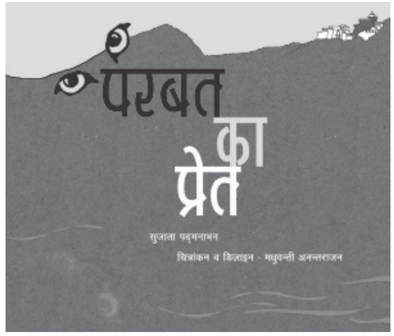

लद्दाख के एक गाँव में घटी सच्ची कहानी। रिगज़िन की सूझबूझ से हिम-तेंदुआ कैसे बचा गाँववालों के गुस्से का शिकार बनने से, पढ़िए और जानिए।

परबत का प्रेत

कहानीः सुजाता पद्मनाभन

अँग्रेज़ी से अनुवादः टुलटुल बिस्वास

चित्र एवं डिज़ाइनः

मधुवन्ती अनन्तराजन

आवरणः जितेन्द्र ठाकुर

ISBN: 978-81-89976-85-9

आकारः 8.5" X 7"

पृष्ठ संख्याः 28

-The book review

I Am a Cat!

Tinti is a delightful protagonist and may well become the hero of young readers.

- The Hitavada

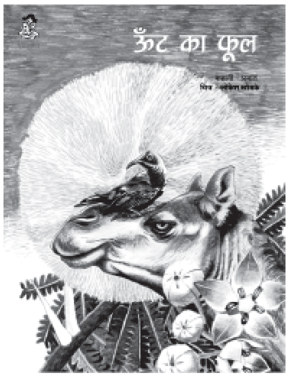

ऊँट पहुँचा फूलों के गाँव में। जहाँ उसे मिला आक का फूल और शुरू हुई दोनों में बात। पढ़िए और जानिए कि ऊँट का फूल आखिर है कौन?

ऊँट का फूल

प्रभात

चित्रः लोकेश खोड़के

ISBN: 978-93-81337-64-6

आकारः 7"x 9.5"

पृष्ठ संख्याः 24

स्कूल का परिचय देती एक अलग-सी कहानी। जिसमें जानवरों के जरिए बयाँ है स्कूल की हकीकत।

मेरा स्कूल

नंदिनी मजूमदार

अनुवादः टुलटुल विश्वास

चित्रः रेनुका राजीव

ISBN: 978-93-81300-95-4

आकारः 6.5"x 10.5"

पृष्ठ संख्याः 28

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

My School

ISBN: 978-93-81300-94-7

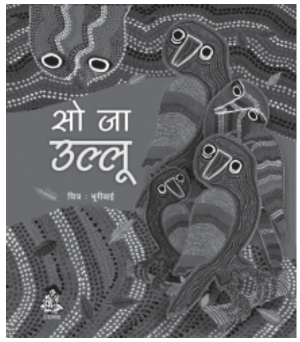

उल्लू सोने की कोशिश कर रहा था। पर कभी बन्दरों की उछल-कूद तो कभी गौरेय्या की चींचीं। क्या उल्लू सो सका! भील शैली के चित्रों से सजी चर्चित कहानी।

सो जा उल्लू

चित्रः भूरी बाई

ISBN: 978-93-81337-62-2

आकारः 8.5"x 10"

पृष्ठ संख्याः 32

बड़े आकार व बोर्ड बुक में भी उपलब्ध

बोर्ड बुक

ISBN: 978-93-94552-12-8

बिग बुक

ISBN: 978-93-85236-90-7

www.eklavya.in

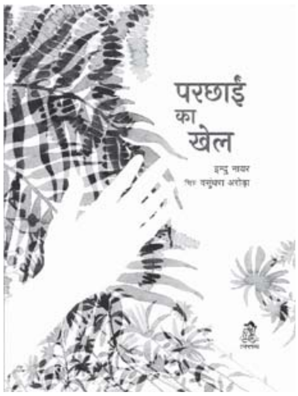

परछाईं कई बार अद्भुत दृश्य बनाती है। अलग समय पर अलग दृश्य।

परछाईं का खेल

कहानी: इन्दु नायर
चित्र: वसुंधरा अरोड़ा
ISBN: 978-93-94552-36-4
आकारः 8.5" X 11.0"
पृष्ठ संख्याः 24

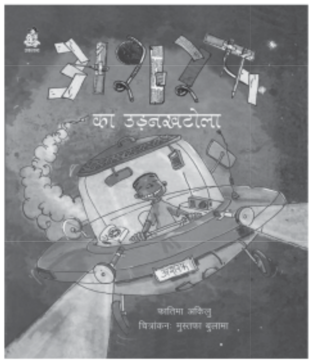

अशरफ की कल्पना विज्ञान से लबालब है। नित नए खयाल और नए प्रयोग। इस बार शोर है अशरफ द्वारा बनाई गई उड़ने वाली मशीन का। देखें, यह नई खोज क्या रंग लाती है।

अशरफ का उड़नखटोला

कहानीः फातिमा अकिलु
अनुवादः सुमित त्रिपाठी
चित्र : मुस्तफा बुलामा
ISBN: 978-93-81300-45-9
आकारः 8.25"x 9.5"
पृष्ठ संख्याः 32

साइकिल का सपना है मोटरसाइकिल बनना। एक दिन सपना बन जाता है हकीकत। फिर सामने आती है एक बड़ी मुश्किल। ज़्यादा जानने के लिए पढ़ें यह किताब।

साइकिल का सपना

कहानीः प्रभात
कलाः विद्युत राय
ISBN: 978-93-81300-10-7
आकारः 6.5"x 10.5"
पृष्ठ संख्याः 16

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
The Cycle's Dream
ISBN: 978-93-81300-70-1

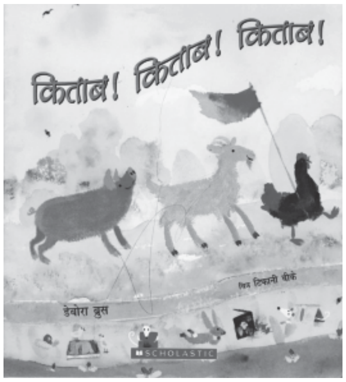

बच्चे स्कूल चले गए तो सारे जानवर परेशान हैं। उनके साथ खेलने के लिए कोई नहीं है। वे चल पड़ते हैं शहर की ओर...। पहुँच जाते हैं सार्वजनिक पुस्तकालय। वे कुछ करना चाहते हैं। बारी-बारी सब अन्दर जाते हैं, मगर बात नहीं बनती। फिर क्या होता है?

किताब! किताब! किताब!

कहानीः डेबोरा ब्रुस

अनुवादः अरुंधती देवस्थले

चित्रः टिफानी बीके

ISBN: 978-81-7655-906-5

आकारः 8.5" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 32

स्कॉलास्टिक के साथ सह-प्रकाशन

खत एक दौर में संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम था। खत लिखने से उसके गन्तव्य तक पहुँचने की यात्रा की बात करती यह किताब बच्चों के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण है। इसका उपयोग गतिविधि की तरह से भी किया जा सकता है। महाराष्ट्र में शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था क्वेस्ट ने अपने काम के दौरान यह किताब विकसित की है।

खत

कहानी और चित्रः

सुमित पाटिल व रूपाली बर्गे

ISBN: 978-93-85236-29-7

आकारः 8.25" X 8.0"

पृष्ठ संख्याः 24

अपने आसपास के परिवेश में उपस्थित पक्षियों को देखने के लिए प्रेरित करती है यह किताब चलो चलें पक्षी देखने...। सुन्दर चित्रों से परिपूर्ण बहुत कम टेक्स्ट वाली यह किताब खास तौर पर नन्हे पाठकों को अधिक आकर्षित करेगी। महाराष्ट्र में शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था क्वेस्ट ने अपने काम के दौरान यह किताब विकसित की है।

चलो चलें पक्षी देखने...

चित्रः श्रद्धा किरकिरे

ISBN: 978-93-85236-30-3

आकारः 8.0" X 7.0"

पृष्ठ संख्याः 16

www.eklavya.in
www.eklavya.in

एक पंजाबी परिवार की लड़की मितवा की कहानी...। यह किताब युवा पाठकों को अपने आसपास के समाज को देखने और सोचने- विचारने के लिए प्रेरित करगी।

मितवा

कहानीः कमला भसीन
चित्रः शिवांगी
ISBN: 978-93-85236-36-5
आकारः 8.5" X 7.0"
पृष्ठ संख्याः 20

जाड़े के मौसम में पपतू को एक नए स्वेटर की दरकार है। वह कैसे अपना नया स्वेटर प्राप्त करती है? एक बस्ती में रहने वाली पपतू धुर्वे की कहानी पर तैयार इस किताब नया स्वेटर में इसका जवाब मिलेगा। बस्तियों में शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था मुस्कान के साथ मिलकर एकलव्य ने इस किताब का प्रकाशन किया है। ये द्विभाषी – हिन्दी व अँग्रेज़ी – किताब है।

नया स्वेटर

कहानीः पपतू धुर्वे
चित्रः सौम्या मेनन
ISBN: 978-93-81337-69-1
आकारः 9.0" X 7.0"
पृष्ठ संख्याः 16

सोनू तैयार था पानी भरने के लिए। मगर झील किनारे से, नदी के संग-संग, पहाड़ों पर चढ़ते और समन्दर में गोते लगाते वह चल पड़ा पानी के सफर पर। खूबसूरत चित्रों से सजी इस किताब में पानी की कहानी दर्शाता पोस्टर भी साथ है।

बालटी के अन्दर समन्दर

एक अवेही-अबकस कथा
चित्रः दीपा बलसावर
अनुवादः दीपाली शुक्ला
डिज़ाइनः प्रीति राजवाड़े
ISBN: 978-93-81300-69-5
आकारः 8.75"x 9"
पृष्ठ संख्याः 12

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध
The Sea in a bucket
ISBN: 978-93-81300-68-8

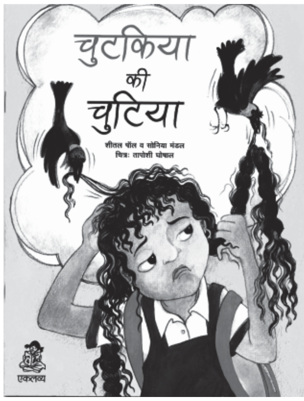

अपने लम्बे बालों की वजह से परेशाान गुणिया रोज़ देर से स्कूल पहुँचती और तरह-तरह के बहाने बनाती। वह अपने इन लम्बे बालों से कैसे छुटकारा पाती है इसकी एक रोचक कहानी आप इस किताब में पाएँगे। पढ़ने का आनन्द ले रहे बच्चों को यह किताब खास तौर पर पसन्द आएगी।

चुटकिया की चुटिया

कहानीः

शीतल पॉल व सोनिया मंडल

चित्रः तापोशी घोषाल

ISBN: 978-93-85236-18-1

आकारः 7.0” X 9.5”

पृष्ठ संख्याः 20

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Tales of her Ponytail

ISBN: 978-93-85236-19-8

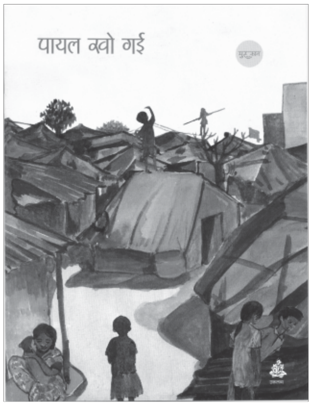

पायल सुबह से बस्ती में दिख नहीं रही है। पायल कहाँ खो गई है? बस्ती के बच्चे पायल को कैसे तलाशते हैं? एक सामूहिक प्रक्रिया से विकसित हुई यह कहानी इसका जवाब देगी। पढ़ने का आनन्द ले रहे बच्चों को यह खास तौर पर उपयोगी लगेगी। बस्तियों में शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही संस्था मुस्कान के साथ मिलकर एकलव्य ने इस किताब का प्रकाशन किया है।

पायल खो गई

कहानीः

महीन मिर्ज़ा व शिवानी तनेजा

चित्रः कनक शशि

ISBN: 978-93-81337-72-1

आकारः 7.0” X 9.5”

पृष्ठ संख्याः 20

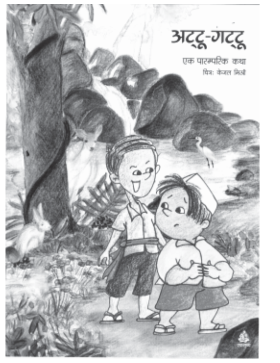

यह मूलतः एक मराठी कहानी है जिसका हिन्दी अनुवाद प्रकाशित हुआ है। कहानी में आप जंगल की सैर का मज़ा भी ले पाएँगे। यह किताब पढ़ना सीख रहे शुरुआती पाठकों के लिए उपयोगी है। इसके सुन्दर चित्रों के ज़रिए बच्चे अपनी खुद की कहानी भी गढ़ सकते हैं।

अट्टू-गट्टू

चित्रः केजल मिस्त्री

ISBN: 978-93-81337-71-4

आकारः 7.0” X 9.5”

पृष्ठ संख्याः 20

www.eklavya.in

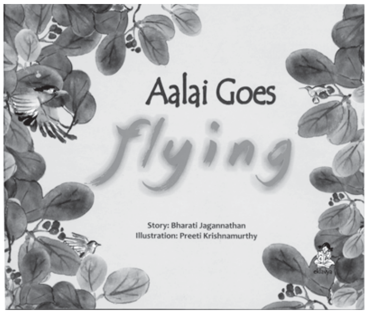

What if trees got bored standing in the same place all their lives? What if they wanted to go for a trip to see the world? That is what Aalai, the big banyan tree, is thinking of doing. But how will she travel so far? Can she fly? Flip the pages of this wonderful picture-story to find out.

Aalai goes flying
Story: Bharati Jagannathan
Illustration: Preeti Krishnamurthy
Design: Kanak Shashi
ISBN: 978-93-85236-11-2
Size: 8.5” X 7.0”
Pages: 26

This book is also available in Hindi
आलई की उड़ान
ISBN: 978-93-85236-16-7

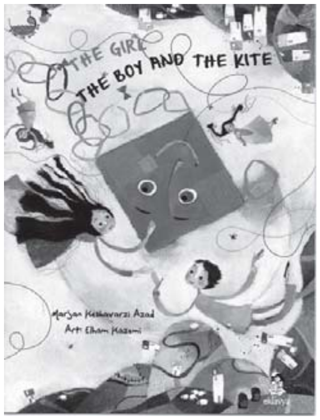

The girl who could not walk, but wanted to fly. The boy who wanted his kite to reach its destination in time. The kite that did not know how to find its way, but wanted to try. How will each of their stories unfold? Will they help each other?

The Girl, the Boy and the Kite
Story: Marjan Keshavarzi Azad
Art: Elham Kazemi
ISBN: 978-93-81337-82-0
Size: 7" x 9.5"
Pages: 20

This book is also available in Hindi
एक लड़की, एक लड़का और एक पतंग
ISBN: 978-93-85236-02-0

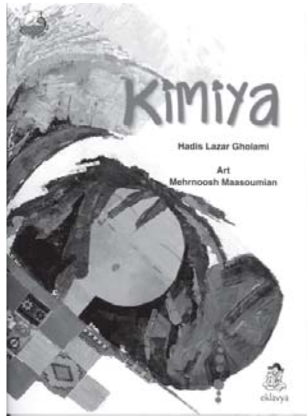

Kimiya was dreaming while she was asleep. It was about her death. Or was it really happening? Had Madam Death Angel actually come to take her away? Are Ammi and Abbu ready to say goodbye to Kimia? But Madam Death Angel is waiting. What should she do now?

Kimiya
Story: Hadis Lazar Gholami
Art: Mehrnoosh Maasoumian
ISBN: 978-93-81337-80-6
Size: 7" x 9.5"
Pages: 20

This book is also available in Hindi
किमिया
ISBN: 978-93-85236-04-4

Replace

eklavya

आरव की आई उसके लिए एक छाता लाई। पर बारिश तो गिर नहीं रही। अब आरव उस छाते से करे भी तो क्या?

आरव का छाता

माधुरी पुरन्दरे

अँग्रेज़ी से अनुवाद: सजिता नायर

ISBN-978-81-946518-9-5

आकार: 8.5' x 7'

पृष्ठ संख्या: 10

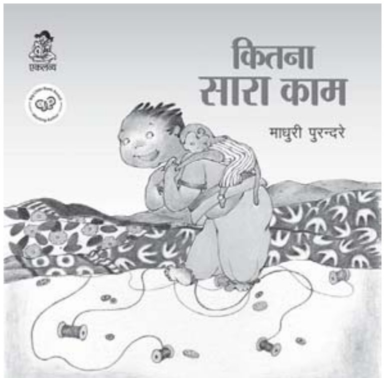

दोपहर का वक्त था। आजी और आज़ोबा दोनों सो चुके थे। पर आरव की आँखों में नींद कहाँ? अब आरव क्या करे? सोने की नाकाम कोशिश या फिर कुछ और...

कितना सारा काम

माधुरी पुरन्दरे

अँग्रेज़ी से अनुवाद:सीमा

ISBN : 978-81-950357-2-4

आकार: 8.5' x 7'

पृष्ठ संख्या: 12

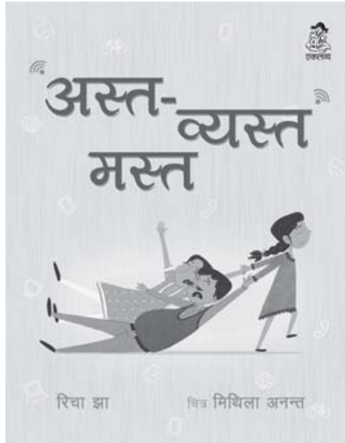

मानो किसी दिन तुम्हारे घर का इंटरनेट बन्द पड़ जाए, और उसके बाद तुम्हारे घर में जो उथल-पुथल मचेगी उसी को दर्शाती है यह कहानी।

अस्त-व्यस्त मस्त

रिचा झा

चित्र: मिथिला अनंत

अँग्रेज़ी से अनुवाद: सुशील जोशी

ISBN: 978-81-950357-1-7

आकार: 10.5' x 7'

पृष्ठ संख्या: 16

बड़ी होकर बहुत कुछ बनने की चाह लिए तन्नू बाज़ार में टँगी रंग-बिरंगी लुभावनी ख्वाहिशों में से एक ख्वाहिश चुनकर घर लौटी है...

तन्नू की फ्रॉक

शशिकला नरवरे

अनुवाद: बोस्की जैन

ISBN: 978-93-85236-30-3

आकार: 8.5' x 7'

पृष्ठ संख्या: 16

www.eklavya.in

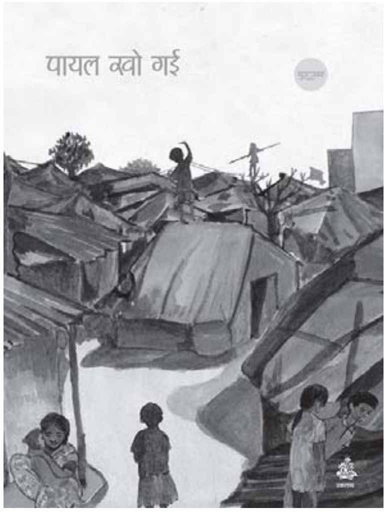

सुबह से पायल कहीं दिख नहीं रही, कहाँ गई...चलो उसे ढूँढने चलें।

पायल खो गई

कहानी: शिवानी और महीन

चित्र: कनक शशि

ISBN: 978-93-81337-72-1

आकार: 7' x 9.5'

पृष्ठ संख्या : 20

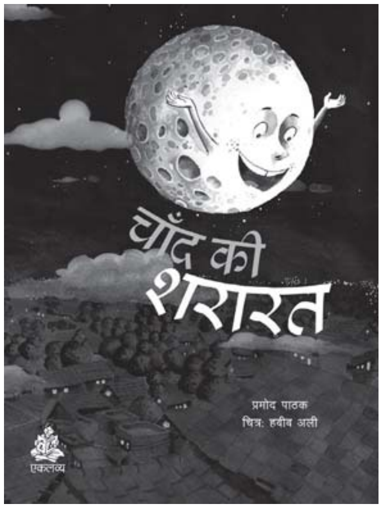

चाँद जा पहुँचा दर्ज़ी दुकान चाँद को देख हुआ दर्ज़ी हैरान चाँद ने की जो एक शरारत दर्ज़ी ने छोड़ी अपनी शराफत।

चाँद की शरारत

कहानी: प्रमोद पाठक

चित्र: हबीब अली

ISBN: 978-93-85236-76-1

आकार: 7' x 9.5'

पृष्ठ संख्या : 20

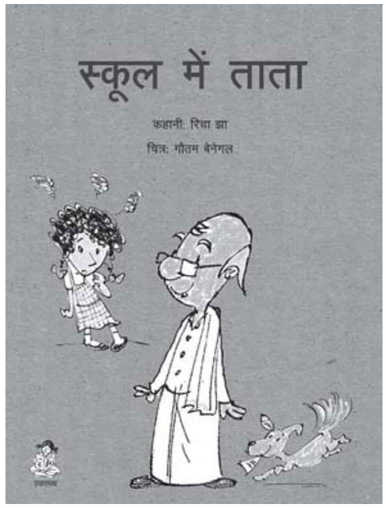

स्कूल में आज ग्रैंडपेरेंट्स डे है। सब बहुत उत्सुक हैं सिवाय ओवियम के। क्यों?

स्कूल में ताता

कहानी: रिचा झा

चित्र: गौतम बेंगल

अँग्रेज़ी से अनुवाद: शिवनारायण गौर

ISBN- 978-93-85236-68-6

आकार: 8' x 11'

पृष्ठ संख्या : 38

eklavya

The little red hen wants to grow wheat for food. She asks her friends to help plant the wheat grains. But they are all too busy. So she does it herself. Then she asks her friends to help harvest the wheat. But again they are all too busy. So she does this by herself too. And so on, till finally the rotis she makes. Now who will help her eat them?

The Little Red Hen

Karen Haydock

ISBN: 978-93-81337-78-3

Size: 6.5" X 5.0"

Pages: 24

This book is also available in Hindi

छोटी लाल मुर्गी

ISBN: 978-93-85236-07-5

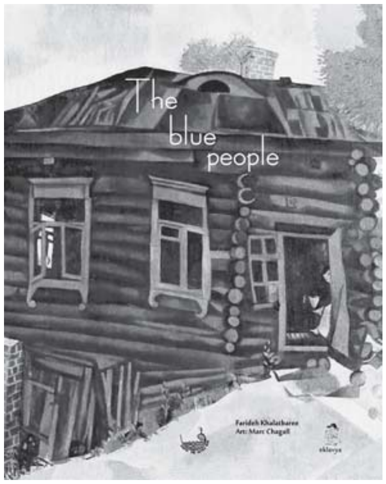

Everybody in the world had suddenly turned blue — so thought the girl in our story, on waking up one day. Or was this an imagination, as mother would have surely said? Even she, and father, had become blue. Everyone in the street, in her aunt's house, in the school, was blue. This was so boring. Where to go now? Grandma's house? Was an answer hiding there under the apple tree?

The Blue People

Story: Farideh Khalatbaree

Art: Marc Chagall

ISBN: 978-93-81337-81-3

Size: 7" x 9.5"

Pages: 40

This book is also available in Hindi

नीले लोग

ISBN: 978-93-85236-01-3

A daughter wants to know, and her mother has to answer. It is just like those days in the mother's own childhood, when she had wanted to know, and her mother had to answer. So is that past about to repeat itself? Will old memories come alive? Will old wounds be reopened? Or will everybody find out that it is all a dream?

Soon Very Soon

Story: Farideh Khalatbaree

Art: Ali Namvar

ISBN: 978-93-81337-83-7

Size: 7" x 9.5"

Pages: 36

This book is also available in Hindi

जल्द बहुत जल्द

ISBN: 978-93-85236-03-7

www.eklavya.in

Winner - Best Story

The Hindu Young World

Good Books Awards 2015-16

It feels good to make a new friend, doesn't it? But what if she was a bit different than you had expected? She did not close her eyes while playing hide-and-seek. She wanted to know where the sun was in the sky. She touched a person's face with her hands before painting it on the sand. So will you still want to make her your friend?

Friend

Story: Akram Ghasempour

Art: Naseem Azadi

ISBN: 978-93-81337-79-0

Size: 7" x 9.5"

Pages: 28

This book is also available in Hindi

जल्द बहुत जल्द

ISBN: 978-93-85236-00-6

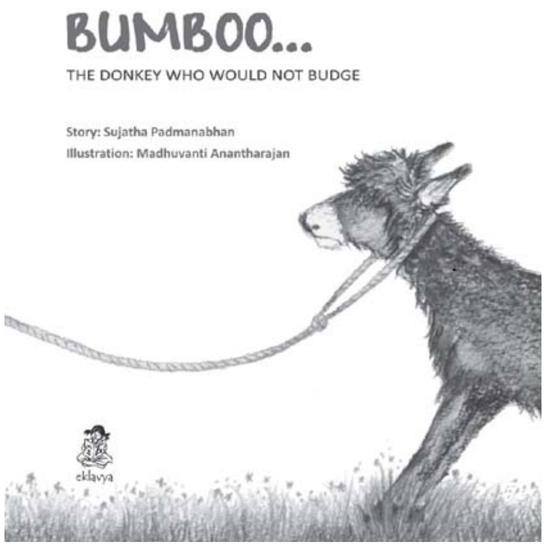

Bumboo is a playful and loving donkey in Ladakh who lives with young Padma and her family. But soon the family discovers a problem with him – when night begins Bumboo stops moving completely. There seems to be no cure for this. Padma's father even starts thinking about selling him off. Is there nobody who can help Bumboo?

Bumboo... The Donkey who would not budge

Story: Sujatha Padmanabhan

Illustration: Madhuvanti Anantharajan

ISBN: 978-93-81337-65-3

Size: 8.25" X 10.0"

Pages: 28

This book is also available in Hindi

बम्बू... टस से मस न होनेवाला गधा

ISBN: 978-93-81337-88-2

डिफरेंट टेल्स सीरिज़ की किताबें

डिफरेंट टेल्स सीरिज़ की किताबें अन्वेषी रिसर्च सेन्टर फॉर विमेन्स स्टडीज़, हैदराबाद की टीम ने विकसित की हैं। ये कहानियाँ 8 से 12 साल के बच्चों के लिए हैं। इनमें ऐसे समुदायों के बच्चों की कहानियाँ हैं जिनके बारे में आम तौर पर बच्चों की किताबों में बहुत कम पढ़ने को मिलता है। छह किताबों की यह सीरिज़ जेण्डर, जाति, अल्पसंख्यक, अतिरिक्त आवश्यकता वाले बच्चों के नज़रिए से हाशियाकृत मुद्दों को दर्शाती है। ज़ायकेदार व्यंजनों, छोटे-छोटे जुगाड़ू खेलों, स्कूलों के अनापेक्षित सबक और दिलदार दोस्तियों के माध्यम से ये कहानियाँ हमें एक दिलकश सफर का हमसफर बनाती हैं।

इन कहानियों के चित्रों के ज़रिए आप कहानी को महसूस कर सकते हैं।

सिर का सालन खदीर के परिवार में इतवार के दिन भोजन पकाने की ऐसी कहानी है कि मुंह मे पानी आ जाए।

सिर का सालन

कहानीः मोहम्मद खदीरबाबू
चित्रः गुलाम मोहम्मद शेख
अँग्रेज़ी से अनुवादः सुशील जोशी
ISBN: 978-93-85236-37-2
आकार: 11' x 8.25'
पृष्ठ संख्या: 20

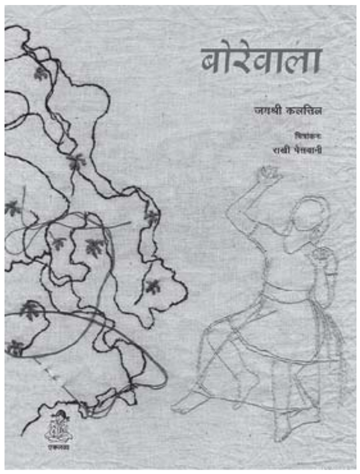

चाकप्रान्दन कौन है? वह कहाँ से आता है? गाँव के एक "विक्षिप्त व्यक्ति" के बारे मे एक छोटी सी लड़की अनु की जिज्ञासा एक अनूठी दोस्ती मे बदल जाती है और उसकी अपनी दुनिया को जानने का एक ज़रिया बनती है।

बोरेवाला

कहानी: जयश्री कलन्तिल
चित्र: राखी पेसवानी
अँग्रेज़ी से अनुवादः शशि सबलोक
ISBN: 978-93-85236-44-0
आकार: 11' x 8.25'
पृष्ठ संख्या: 44

अँग्रेज़ी भाषा में भी उपलब्ध

The Sackclothman
ISBN: 978-81-95035-79-3

www.eklavya.in

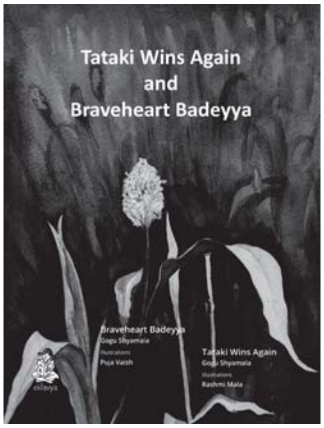

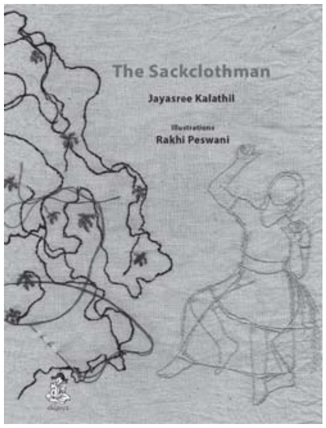

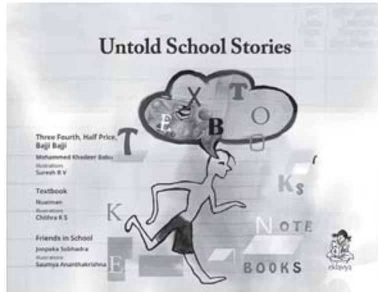

Twelve year old Balamma is feisty enough to water her family's little patch of land before the village karnam's fields. But will she be match for the powerful - and very angry karnam? Tataki Wins Again! Everybody is proud of Badeyya because he is the only boy from the village who goes to school. But not all his lessons are learnt there . . . Braveheart Badeyya.

Tataki Wins Again and

Braveheart Badeyya

Gogu Shyamala
Illustrator: Rashmi Mala,
Pooja Vaish
Translator: A. Suneetha,
R. Srivatsan

ISBN: 978-81-950357-7-9

Size: 11' x 8.25'

No. of Pages: 48

This book is also available in Hindi

फिर जीत गई ताटकी और
दिलेर बड़ेय्या

ISBN: 978-93-85236-42-6

Who is Chakkupranthan? Where does he come from? Anu's curiocity about the village 'madman' leads to an unlikely friendship and a key to her own world.

The Sackclothman

Jayasree Kalathil

Illustrator - Rakhi Peswani

Translator - Jayasree Kalathil

ISBN: 978-81-950357-9-3

Size: 11' x 8.25'

No. of Pages: 44

Time to buy old textbooks? Wondering how to do it? Or young hero shows how to ct an Ambani-like deal. - Three Fourth, Half Price, Bajji Bajji. Saheer can't find any Muslim name in his Malayalam textbook. If these names have disappeared, surely he can help to bring them back! Textbook. Sreelatha ans Suvarna are close friends in school. In the village, however, their castes are not easily forgotten. Friends in School, Not in the Village.

Untold School Stories

Mohammed Khadeer Babu,
Nuaiman, Joopaka Sbhadra
Illustrator: Suresh B V,
Chithra K.S.,
Samya Ananthakrishna
Translator : A Suneetha,
R. Srivatsan, M.T. Ansari,
Liji Varghese

ISBN: 978-81-950357-9-3

Size: 11' x 8.25'

No. of Pages: 56

ये कहानियाँ बच्चों के स्कूली जीवन के सूक्ष्म और मार्मिक अवलोकनों के इर्द-गिर्द बुनी गई हैं।

स्कूल की अनकही कहानियाँ

(तीन कहानियों का संकलन)

लेखक: मोहम्मद खादीर बाबू
चित्र: सुरेश बी वी
अँग्रेज़ी से अनुवाद: स्वयं प्रकाश

ISBN: 978-93-85236-38-9

आकार: 5.5 x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 56

यह कविता है एक महिला के जीवन, उनके परिवार, उनके काम, अपने समुदाय में उनकी अपनी पहचान, और ऊँची जाति के अमीर लोगों के साथ उनके संघर्ष की।

माँ

लेखक: कांचा अइलय्या शेपर्ड
चित्र: लोकेश खोड़के, शेफाली जैन
अँग्रेज़ी से अनुवाद: सुशील शुक्ल

ISBN: 978-93-85236-45-7

आकार: 5.5 x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 56

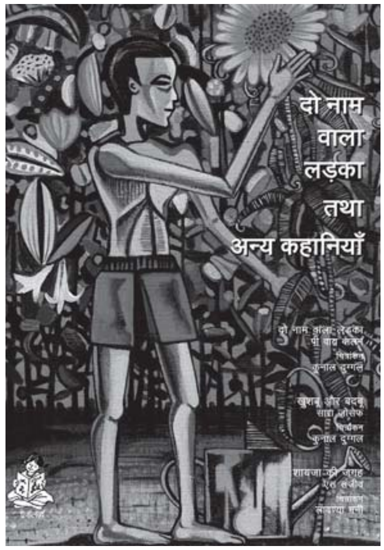

ये कहानियाँ बच्चों के घर और स्कूली जीवन के अन्तर्द्वन्द्व के इर्द-गिर्द बुनी गई हैं।

दो नाम वाला लड़का तथा अन्य कहानियाँ

(तीन कहानियों का संकलन)

लेखक: पी वाय बालन, सारा जोसेफ, एस संजीव
चित्र: सत्यानंद मोहन, कुनाल दुग्गल, लावव्य मनी
अँग्रेज़ी से अनुवाद: स्वयं प्रकाश

ISBN: 978-93-85236-39-6

आकार: 5.5 x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 38

www.eklavya.in
www.eklavya.in

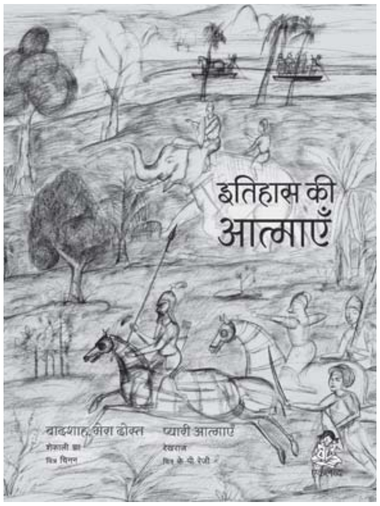

इतिहास मुझे पसन्द नहीं करता। क्या वह रहस्यमयी दोस्त जिससे आदिल मस्जिद में मिलता है इस अजीब-सी समस्या का हल ढूँढने में उसकी मदद कर पाएगा?

इतिहास की आत्माएँ

लेखक: शेफाली झा, रेखराज
चित्र: चिनन, के पी रेजी
अँग्रेज़ी से अनुवाद: स्वयं प्रकाश
ISBN: 978-93-85236-38-9
आकार: 11' x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 42

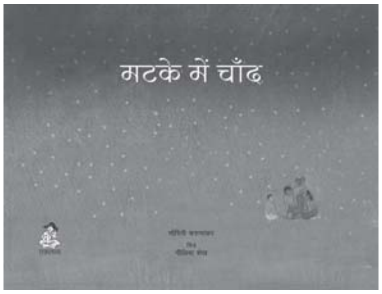

गुडव्वा हर रोज़ अपने पोते को चाँद देने का वादा करती लेकिन कभी देती नहीं। वो गुडव्वा की इस हरकत से खीज जाता है और चाँद को चुराने के बारे में नई-नई तरकीबें गढ़ने लगता है।

मटके में चाँद

लेखक: गोपिनी कुरुणाकर
चित्र: नीलिमा शेख
अँग्रेज़ी से अनुवाद:
लोकेश मालती प्रकाश
Author: Gopini Karunakar
ISBN: 978-81-94651-83-3
आकार: 11' x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 30

बच्चों को आम तौर पर एक जगह स्थिर बैठना पसन्द नहीं होता। वे इधर-उधर भागते ही रहते हैं। या फिर एक जगह बैठते हैं तो कुछ न कुछ उधेड़बुन में लगे रहते हैं। यह कहानी है ऐसे ही एक बच्चे मैटी की लेकिन इस कहानी में मैटी जैसे कई बच्चे अपनी-अपनी कहानियां ढूंढ पाएंगे।

मैटी बैठ जाओ!
बैठ जाओ मैटी!

इन्दु एल हरिकुमार
चित्र: इन्दु एल हरिकुमार
अनुवाद - भरत त्रिपाठी
ISBN : 978-93-91132-74-3
आकार: 8.5' x 8.5'
पृष्ठ संख्या: 20

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

Mattie sit down!
Sit down Mattie!

ISBN: 978-93-91132-75-0

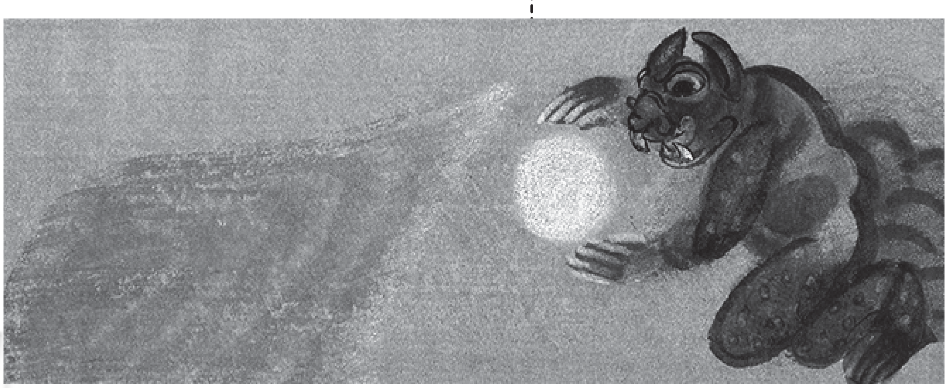

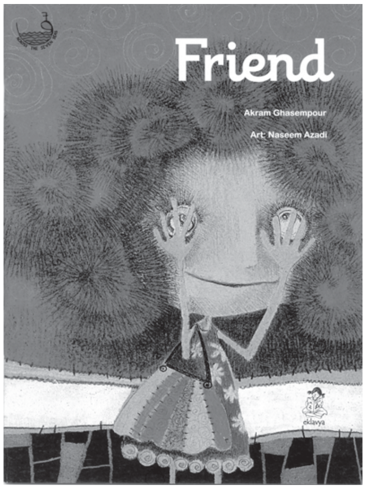

It feels good to make a new friend, doesn't it? But what if she was a bit different than you had expected? She did not close her eyes while playing hide-and-seek. She wanted to know where the sun was in the sky. She touched a person's face with her hands before painting it on the sand. So will you still want to make her your friend?

Friend
Story: Akram Ghasempour
Art: Naseem Azadi
ISBN: 978-93-81337-79-0
Size: 7" x 9.5"
Pages: 28

This book is also available in Hindi
दोस्त
ISBN: 978-93-85236-00-6

आज लॉकडाउन का सातवाँ दिन है। सड़क लम्बी व सुनसान है। दुनिया थम-सी गई है। सारा कामकाज ठप हो चुका है और लोगों की जुबान पर हरदम 'कोरोना' शब्द है। जामलो सैकड़ों आदमियों, औरतों और बच्चों के साथ एक लम्बी और तपती सड़क पर चल पड़ी है। और चलती जाती है...एक ऐसी दुनिया में जहाँ न्याय और समानता की ज़रूरत है।

जामलो चलती गई

समीना मिश्रा
चित्र: तारिक अजीज
ISBN: 978-93-91132-14-9
आकार: 7' x 9.5'
पृष्ठ संख्या: 32

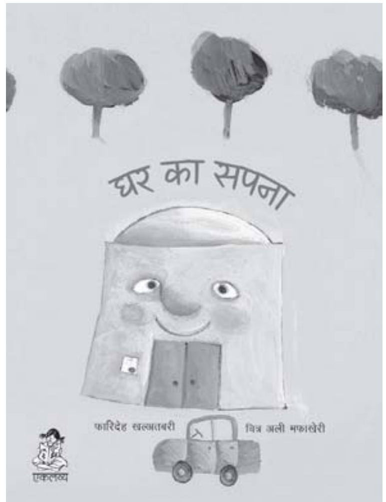

एक घर की चाह थी कि उसे ऐसा कोई परिवार मिले जो हमेशा उसके साथ रहे जैसे उसके पड़ोसी घर में रहते थे। अपनी इस चाह को पूरी करने के लिए घर ने अपना दिमाग लगाया। क्या घर की मेहनत एक ऐसा परिवार ला पाएगी, जो हमेशा उसके साथ रहे?

घर का सपना

फरीदेह खल्अतबरी
चित्र: अली मफाखेरी
ISBN: 978-93-91132-18-7
आकार: 7' x 9.5'
पृष्ठ संख्या: 60

www.eklavya.in

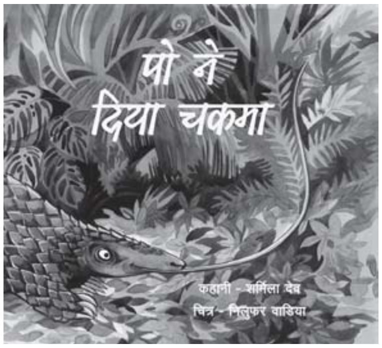

पो ने दिया चकमा

नन्हा पैंगोलिन 'पो' एक शाम देर से भोजन की तलाश में निकलता है और संकट में फँस जाता है। इस मुसीबत से निकलने के लिए वह कौन-से करतब दिखाता है, यह कहानी उसी को बयाँ करती है।

लेखक: शर्मिला देऊ
चित्र: निलोफर वाडिया
अँग्रेज़ी से अनुवाद: सुशील जोशी
ISBN: 978-93-85236-53-2
आकार: 7.5" x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 24

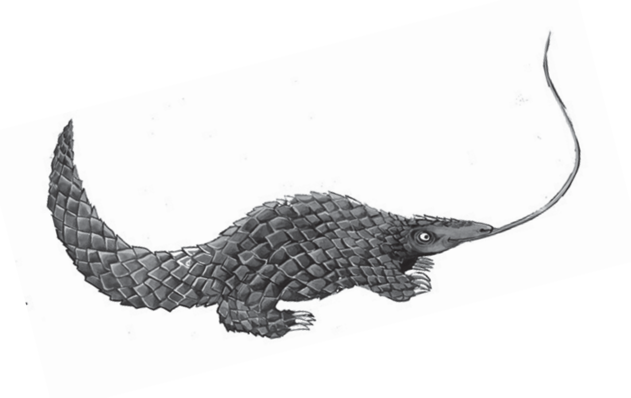

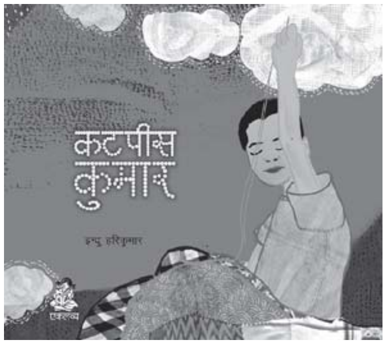

कटपीस कुमार

कुमार यह सुनकर बहुत खुश है कि जल्द ही उसके घर में एक नया मेहमान आने वाला है। वह इस नए मेहमान के लिए कुछ ऐसा बनाना चाहता है जिसे वो महसूस कर सके।

लेखक: इन्दु हरिकुमार
चित्र: इन्दु हरिकुमार
ISBN: 978-93-87926-98-1
आकार: 7.5" x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 22

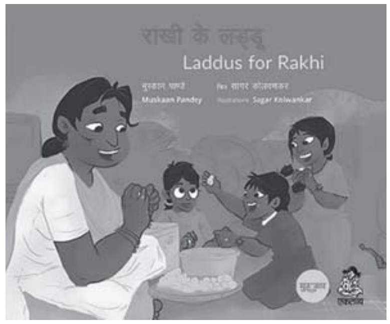

Laddus for Rakhi/ राखी के लड्डू

I was very hungry. There was a box of laddus but what about what Mummy had said. There was hunger and there were laddus… laddus and hunger…

Author: Muskaan Pandey
Illustrator: Sagar Kolwankar
Translator: Rinchin
ISBN: 978-93-87926-49-3
Size: 7.5"x8.5"
No. Of Pages: 16

Language: Bi-Lingual

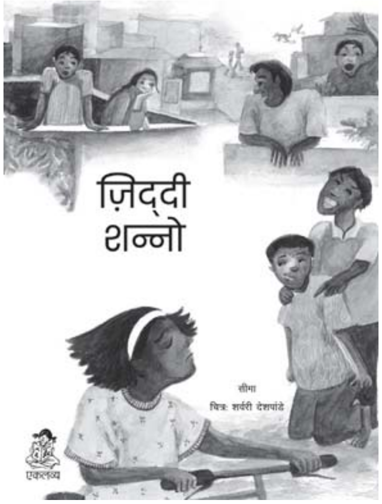

ज़िद्दी शन्नो

शन्नो को एक धुन सवार हुई। और उसकी यह धुन लेकर आई लोगों की अनगिनत बातें और साथ में शन्नो इन चुनौतियों से कैसे जूझती है उसी को लेकर बुनी है यह कहानी।

लेखक: सीमा
चित्र:शबरी देशपांडे
ISBN: 978-93-87926-07-3
आकार: 7.25" x 9.5"
पृष्ठ संख्या: 16

नंगू नंगू नाच

शीलू को कपड़े पहनना ज़रा भी अच्छा नहीं लगता। वह अपनी पाइरेट बिल्ली के जैसे रहना चाहती है। नंगू रहना कितना मज़ेदार होता है ना!

लेखक: रिचा झा
चित्र: रूचि महसाने
अनुवाद: सीमा
ISBN: 978-93-85236-67-9
आकार: 8" x 11"
पृष्ठ संख्या: 32

छुटकी और चीरो

कौन हैं ये छुटकी और चीरो? और उनकी दोस्ती हुई कैसे??

लेखक: मंजरी सिंह
चित्र: प्रशांत सोनी
ISBN: 978-93-85236-77-8
आकार: 7.25" x 9.5"
पृष्ठ संख्या: 12

आदा पादा किसने पादा रामजी की घोड़ी
आई टाईं टुईं ठुस्स...

आदा पादा

सुशील शुक्ल
चित्र: अतनु राय
ISBN: 978-93-94552-09-8
आकार: 7.25" x 9"
पृष्ठ संख्या: 16

43

www.eklavya.in

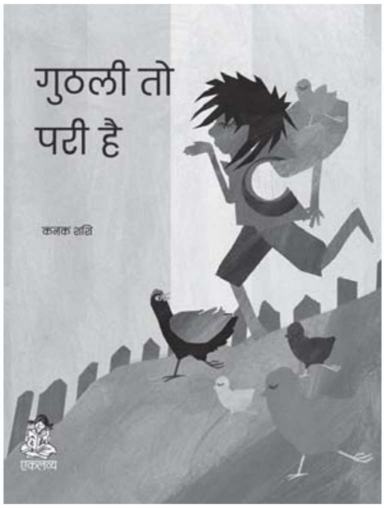

गुठली सबकी चहेती है। एक दिन वह अपनी पसन्दीदा फ्रॉक पहन लेती है। पर उसे फिर कभी फ्रॉक न पहनने की सख्त हिदायत दी जाती है।

गुठली को अपनी पसन्दीदा फ्रॉक पहनने से क्यों रोका गया होगा?

गुठली तो परी है

लेखक: कनक शशि
चित्र: कनक शशि
ISBN: 978-93-85236-17-4
आकार: 7.5" x 10.5"
पृष्ठ संख्या: 26

जब नूरी की बहन ज़ोया मरी तब नूरी की ज़िन्दगी में हर तरफ उदासी छा गई। वह समझ ही नहीं पा रही थी कि इस दुख में वह कैसे किसी को अपना साझेदार बनाए।

इसी मार्मिक पल को बयाँ करती है यह कहानी।

मेरी ज़ोया चली गई!

लेखक: रिचा झा
चित्र: गौतम बेनेगल
अनुवाद: दीपाली शुक्ला
ISBN: 978-93-85236-66-2
आकार: 8" x 11"
पृष्ठ संख्या: 44

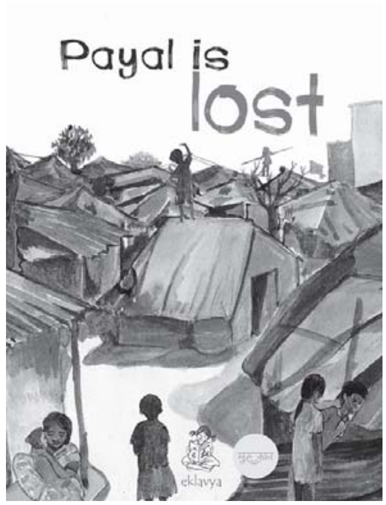

Payal has not been seen in the basti since morning. Where could she have gone..? Come on, let's go look for her.

Payal is lost

Author: Maheen Mirza and Shivani Taneja
Illustrator: Kanak Shashi
ISBN-978-93-81337-76-9
Binding: Paperback
No. Of Pages: 20

eklavya

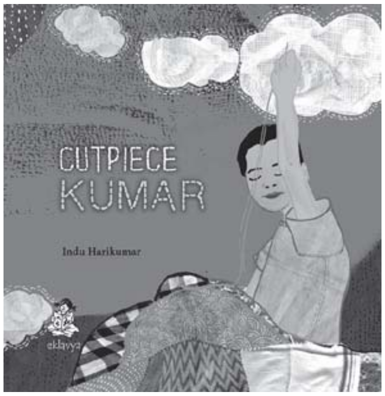

Kumar is excited to learn that there will be one more person in his family soon. He decided to make something for this new person. He thinks and thinks,and finally, he decides to make...

Cutpiece Kumar

Author: Indu Harikumar
Illustrator: Indu Harikumar
ISBN: 978-93-87926-97-4
Binding: Paperback
No. Of Pages: 22

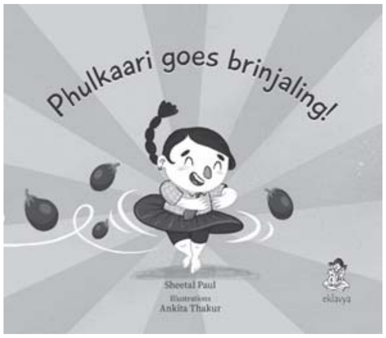

The first graders are excited when their teacher announces a very new weird day- Brinjaling day !

But what is this Brinjaling Day !

Phulkari Goes Brinjaling

Author: Sheetal Paul
Illustrator: Ankita Thakur
ISBN: 978-93-87926-10-3
Binding: Paperback
No. Of Pages: 20

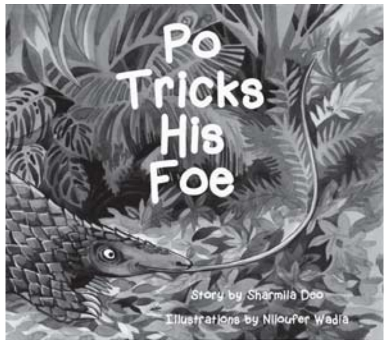

Can You Imagine an animal with a tongue almost as long as its body? Why would it need such a long one? The Tongue is just one of sevral unusual things about the creature called a pangolin.

This is a story about Po, a little Pangolin, who sets out late one evening to look for food, only to run into some trouble. What tricks can a pangolin play to get out of trouble? read on and find out!

Po Tricks His Foe

Author: Sharmila Deo
Illustrator: Neloufer Wadia
ISBN: 978-93-85236-52-5
Binding: Paperback
No. Of Pages: 22

It's little Mari first march! Join her as Auntie Rani leads the herd across forests and meadows, over roads and past fences, to water. But as cities grow and forests shrink, the march gets longer and more dangerous. Will Mari's family reach water this year?

MARI'S MARCH

Author: Lavanya Karthik
Illustrator: Anarya
ISBN 978-93-94552-08-1
Pages 24

45

www.eklavya.in

A Thief in the Basti/
बस्ती में चोर

One Day, Ritik lost his slippers. A Few days later, Arman lost his slippers. Then Anokhi also lost her slippers. Has someone been stealing their slippers?

Author:
Sonam, Ritik, Vikram, Ajay
Illustrator: Ubitha Leela Unni
Translator: Rinchin
ISBN: 9788194651819
Size: 7.25" x 8.5"
No. Of Pages: 16

Language: Bi-Lingual

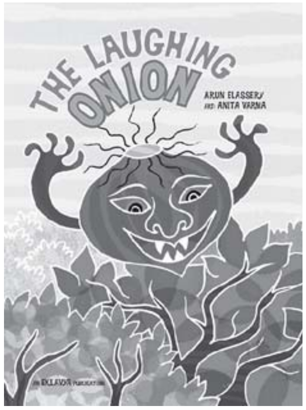

The Laughing Onion

How are stories created? In this book, Naana's little boys tell us the answer. Bright, rich pictures make the story-telling even more interesting.

Author: Arun Elassery
Illustrator: Anita Verma
ISBN : 978-91-89976-13-2
Size: 7.25" x 9.5"
No. of Pages: 2

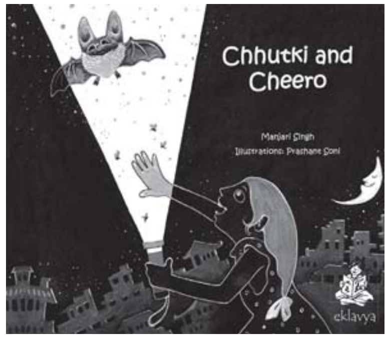

Chhutki and Cheero

Chhutki and Cheero....

who are thay?

How did the become friends??

Author: Manjari Singh
Illustrator: Prashant Soni
ISBN: 978-93-85236-93-8
Size: 7.25" x 9.5"
No. Of Pages: 12

Gargi giggles all the time. She giggles at everything and everyone. Let's find out what all makes her giggle.

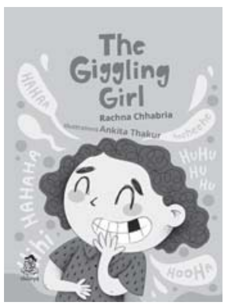

THE GIGGLING GIRL
Author: Rachna Chhabria
Illustrator: Ankita Thakur
ISBN 978-93-01132-36-1
Pages 32

बोर्ड बुक

छोटे बच्चों के लिए बोर्ड बुक कहानियों की दुनिया से जुड़ाव का पहला चरण है। चित्रों के ज़रिए बच्चे कुछ नया गढ़ सकते हैं।

भैंस और जूँ के बीच की मज़ेदार बातचीत को दर्शाती कविता

चिकचिक चूँ

सुशील शुक्ल

अतनु राय

ISBN: 978-93-94552-29-6

आकार: 6"x6"

पेज संख्या: 10

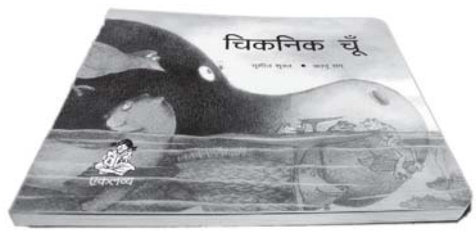

दिन में सोने की कोशिश कर रहे उल्लू को क्या नींद आ पाई?

सो जा उल्लू

चित्र: भूरी बाई

ISBN: 978-93-94552-12-8

आकार: 6"x6"

पेज संख्या: 10

www.eklavya.in

लोककथाएँ

लोककथाओं में मिट्टी की सौंधी खुशबू और देसीपन का ठाट होता है। ये किताबें लोककथाओं की साझी विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास हैं। इनकी कहानियों को विभिन्न क्षेत्रों में थोड़ा-बहुत फेरबदल के साथ कहा-सुना जाता है। अतः हर क्षेत्र के पाठकों को ये अपनी-सी लगेंगी।

पेड़ क्यों सूखा? इसके जवाब की तलाश किसी पहाड़ी नदी के प्रवाह की तरह तेज़ी से मुड़ते-घुमड़ते काली चींटी तक पहुँचती है। पारम्परिक ओड़िया लोककथा हिन्दी और अँग्रेज़ी भाषा में एक साथ।

ओ हरियल पेड़...

परिकल्पनाः तेजी ग्रोवर

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-89976-01-9

आकारः 8.5" x 7"

पृष्ठ संख्याः 32

मन के लड्डू खाने के शौकीन पति-पत्नी गाय पालते हैं, मन ही मन। उसका दूध दुहते हैं, मन ही मन। ...और फिर बचे हुए दूध के इस्तेमाल को लेकर झगड़ने लगते हैं, सचमुच में! गोपाल भाण्ड आकर अपनी अक्ल लगाता है और उनकी अक्ल ठिकाने लगाता है। एक रोचक बांग्ला लोककथा द्विभाषी (हिन्दी और अँग्रेज़ी) चित्रकथा के रूप में।

मन के लड्डू

परिकल्पनाः तेजी ग्रोवर

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-89976-60-6

आकारः 8.5" x 7"

पृष्ठ संख्याः 16

eklavya

पहला घर कैसे बना होगा? इसकी एक कहानी कहती है यह संथाली लोककथा। हाथी से कुछ सीखा, साँप से कुछ, और मछली से कुछ सीखा... फिर बना एक घर। एक रोचक द्विभाषी (हिन्दी और अँग्रेज़ी) चित्रकथा।

पहला घर

पुनर्कथनः जेन साही

अँग्रेज़ी से अनुवादः
शिवनारायण गौर

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-89976-61-3

आकारः 8.5" X 7"

पृष्ठ संख्याः 16

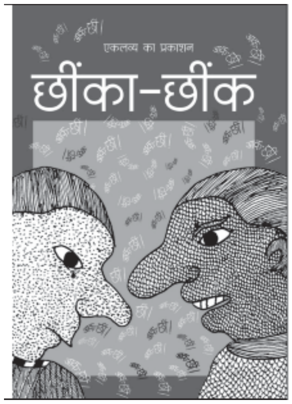

एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम समूह द्वारा संकलित, बच्चों के मुख से बच्चों को सुनाई गई प्यारी-प्यारी कहानियाँ। सुरता की मुलाकात रीछ से होती है... मुर्गा कहता है कुक्कड़ू खूँ, और बड़नक्कू-छुटनक्कू को लग जाती है छींका-छींक! साथ में और भी लुभावनी कहानियाँ।

छींका-छींक

चित्रः मानसिंह

ISBN: 978-81-89976-82-8

आकारः 7" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 36

कहानी सुनने में मज़ा तो आता ही है, साथ ही भाषा सीखने में भी कहानियाँ बच्चों की मदद करती हैं। इस संग्रह में मानसिंह के बनाए सुन्दर चित्रों से सजी प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम समूह द्वारा संकलित मनोरंजक कहानियाँ हैं। ऐसी कहानियाँ जो इन्हें सुनने-पढ़ने वालों को विभिन्न पात्रों में ढल जाने और काल्पनिक स्थितियों में विचरने के खूब मौके देंगी।

अक्ल बड़ी या भैंस!

चित्रः मानसिंह

ISBN: 978-81-89976-81-1

आकारः 7" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 28

खिचड़ी

-The book review

यह किताब एक ओर मज़ेदार लोककथा के लिए पढ़ी जा सकती है तो दूसरी ओर दुर्गाबाई व्याम के चित्रों के लिए भी।

- हरिभूमि

www.eklavya.in

एक देश है जवाबों का। सवाल आया नहीं कि लोग जवाब ढूँढने में जुट जाते हैं। एक दिन एक ऐसा सवाल आया कि उसने खलबली मचा दी... अप्पुकुट्टन को तौलें कैसे? फिर शुरू हुआ खोजबीन और दिमाग की आज़माइश का सिलसिला। तो क्या उसे तौल पाए?

अप्पुकुट्टन को तौलें कैसे?

कहानी व चित्रः इन्दु हरिकुमार

अँग्रेज़ी से अनुवादः शशि सबलोक

ISBN: 978-81-89976-83-5

आकारः 11" X 8.5"

पृष्ठ संख्याः 20

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

How do we weigh Appukuttan?

ISBN: 978-81-89976-84-2

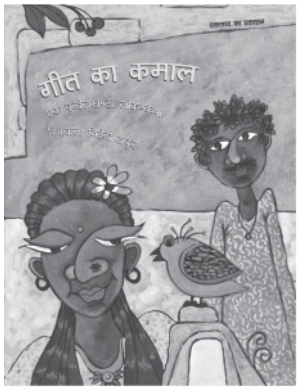

एक गीत क्या कमाल कर सकता है। सोचिए...। यह बुन्देली लोककथा आपको बताएगी कि कैसे एक गीत चोरों को भगा देता है। इस किताब में कहानी ही नहीं चित्र भी गजब के हैं।

गीत का कमाल

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर

ISBN: 978-81-906971-5-6

आकारः 8.5" X 10.5"

पृष्ठ संख्याः 36

अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध

What a Song!

ISBN: 978-81-906971-6-3

गोण्डी शैली के चित्रों से सजी सुन्दर चित्रकथा के कलेवर में एक जानी-पहचानी लोककथा। खिचड़ी के स्वाद और बिरजू के भुलक्कड़पन की रोचक कहानी।

खिचड़ी...

प्रस्तुतिः जितेन्द्र कुमार

चित्रः दुर्गाबाई व्याम

ISBN: 978-81-89976-79-8

आकारः 7" X 9.5"

पृष्ठ संख्याः 12

बड़े आकार में भी उपलब्ध

(11"x17")

ISBN: 978-81-89976-02-6

-The book review

What a song!

This delightful folktale from Bundelkhand is illustrated in Maithili or Madhubani art style. The earthy colors bring the forth the rural flavor of the tale.

.....the simple poetry inspired by nature and the unwitting cleverness of the wife leading to the unexpected ending.

भैंस के गोबर में फँसी एक चिड़िया शिकारी बिल्ली से अपनी जान कैसे बचाएगी?

अच्छा मौसी अलविदा

लेखक: प्रभात
चित्र: सुनीता
ISBN: 978-93-85236-25-9
आकार: 7" x 8.5"
पृष्ठ संख्या: 16

लड़ैया भैया ने गाँव में अपनी सरपंची बखारवे के लाने अपनी पूँछ में पट्टो बँधवा लओ। पर गाँव के कुत्तों से बचवे के लाने माँद के भीतरे नहीं भरा पाये, वहीं के वहीं कसमसात रह गये।

ढोंगी लड़ैया

लेखक: मनोज साहू निडर
चित्र: कैरन हैडॉक
ISBN: 978-93-87926-46-2
आकार: 6" x 7.5"
पृष्ठ संख्या: 24
Language: Bundeli

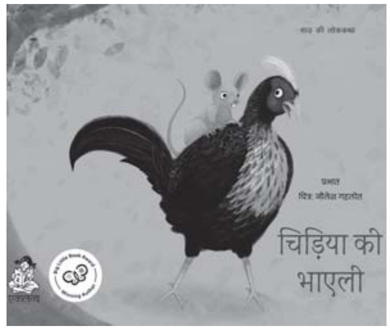

चिड़िया और चुहिया ऐसी भाएली थीं जिनमें ज़्यादा पटती नहीं थी, पर एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं पाती थीं।

चिड़िया की भाएली

लेखक: प्रभात
चित्र: निलेश गेहलोत
ISBN: 978-93-87926-41-7
आकार: 7.25" x 9.5"

www.eklavya.in

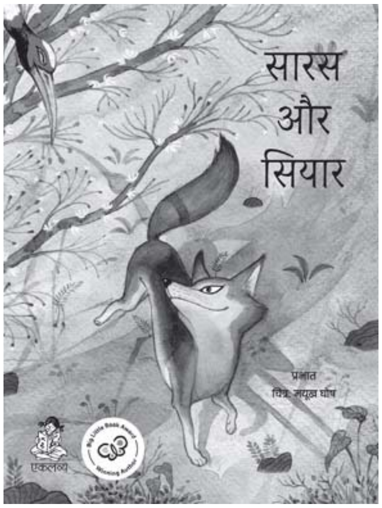

सारस और सियार दोस्त ज़रूर थे, पर उनका मिज़ाज काफी अलग था। जहाँ सियार को दोस्ती में मज़ा आ रहा था वहीं सारस घुटन महसूस कर रहा था।

सारस और सियार

लेखक: प्रभात

चित्र: मयूख घोष

ISBN: 978-93-87926-19-6

आकार: 7.25" x 9.5"

पृष्ठ संख्या: 12

एक थी कमेड़ी। वो अपने बच्चों के लिए खाने की तलाश में रोज़ाना एक बाड़ी तक जाती। अपना भी पेट भरती और बच्चों के लिए चोंच में भरकर ले आती। पर एक दिन बाड़ी के माली ने कमेड़ी को बन्धक बना लिया। अब कमेड़ी अपने बच्चों से कैसे मिल पाएगी?

कमेड़ी का गीत

लेखक: प्रभात

चित्र: सुनीता

ISBN: 978-93-85236-89-1

आकार: 7.25" x 9.5"

पृष्ठ संख्या: 20

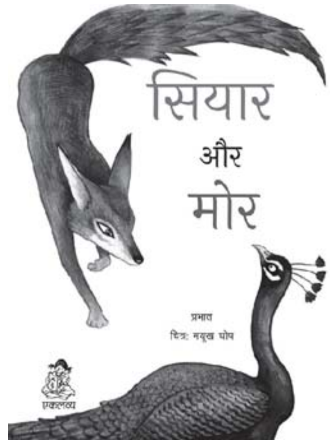

सियार और मोर की दोस्ती से शुरू हुई एक कहानी, जिसमें दिन होता है, फिर रात होती है, पर इस कहानी का कभी अन्त नहीं होता है।

सियार और मोर

लेखक: प्रभात

चित्र: मयूख घोष

ISBN: 978-93-85236-80-8

आकार: 7.25" x 9.5"

पृष्ठ संख्या: 20

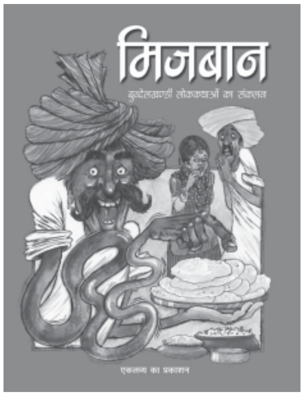

अक्ल के दाँवपेंच, जैसे को तैसा। इन लोककथाओं में हास्य है और लोक-जीवन का दर्शन भी। बुन्देलखण्डी भाषा में कही गई इन कहानियों को उतने ही दिलकश चित्रों ने और मज़ेदार बना दिया है।

मिजबान

संकलन, पुनर्लेखन व सम्पादनः
प्रदीप चौबे, महेश बसेड़िया
चित्र एवं डिज़ाइनः अतनु राय
ISBN: 978-81-89976-48-4
आकारः 7" X 9.5"
पृष्ठ संख्याः 40

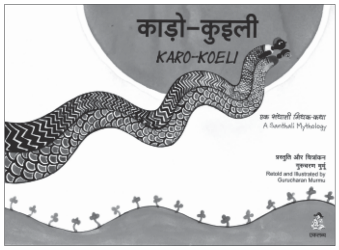

काड़ो और कुइली झारखण्ड में बहने वाली दो नदियाँ हैं। इन दोनों के बनने की कहानी बयाँ करती है यह संथाली मिथक-कथा। काड़ो-कुइली पढ़कर आप अपने आसपास की मिथक-कथाओं को भी तलाश सकते हैं। ये द्विभाषी - हिन्दी व अँग्रेज़ी - किताब है।

काड़ो–कुइली

कहानी व चित्रः गुरुचरण मुर्मू
ISBN: 978-93-85236-08-2
आकारः 9.25" X 7.0"
पृष्ठ संख्याः 24

मिजबान

लोकगीतों का लोक भाषा में संकलन तो आम बात रही है, मगर लोक भाषा में लोककथाओं का संकलन बहुत कम किया गया है। ऐसे में इस किताब का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मिजबान जैसे संकलनों का निकालना इसलिए भी ज़रूरी है ताकि लोक-साहित्य के अध्येता इस बात का पता लगाते रहें कि लोककथाएँ एक जगह से दूसरी जगह कैसे संचारित हुईं।

- हरिभूमि

www.eklavya.in
www.eklavya.in

कविताएँ

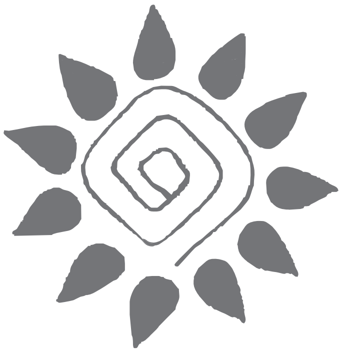

कविताओं में कल्पना होती है जो बच्चे को एक नई दुनिया में ले जाती है। और होती है सम्भावनाएँ - एक नई दुनिया गढ़ने के सपने देखने की। फिर तरह-तरह की ध्वनियाँ और नित नए बिम्ब बच्चों को भाषा के बहुरंगी संसार से भी जोड़ते हैं। स्कूल न जाने वाले बच्चे भी अपनी भाषा कोश को परिवेश से भरना शुरू कर देते हैं। कविताएँ इस कोश को और समृद्ध करती हैं।

तरह-तरह की ध्वनियों के उतार-चढ़ाव, लम्बे और छोटे शब्द, अलग-अलग लय। इन छोटी-छोटी कविताओं का अलग ही अन्दाज़ है। सजीव चित्रों के साथ तो ये और थिरक उठते हैं। खासकर छह साल से बड़े बच्चों की ज़ुबाँ पर।

साइकिल पर था कव्वा

कविताएँः प्रभात

चित्रः अतनु रॉय

ISBN: 978-81-89976-75-0

आकारः 7"x 9.5"

पृष्ठ संख्याः 20

कविता के माध्यम से भोपाल शहर के एक हिस्से का किस्सा बयाँ करते-करते हमारे आस-पास के पेड़-पौधों की देखभाल की ओर भी ध्यान दिला जाती है यह कविता। यह मूल रूप से चकमक में छपी थी। इसका नाटक के रूप में मंचन किया जा सकता है और इसको बतौर कहानी भी सुनाया जा सकता है।

छुटकी गिलहरी

कविताः विनय दुबे

चित्रः विवेक

ISBN: 978-81-87171-27-0

आकारः 7.75"x 10.5"

पृष्ठ संख्याः 12

कुदरत की पिटारी में रखे हर मौसम की शोखी बिखरी है इस किताब के पन्नों में। मौसम को बच्चों से रूबरू कराती विभिन्न रचनाकारों की इन कविताओं को लय में गाया जा सकता है। अलग-अलग कलाकारों के भिन्न-भिन्न शैली के चित्र आकर्षक हैं।

ऋतुओं का स्कूल

ISBN: 978-81-87171-38-6

आकारः 7.75"x 10.5"

पृष्ठ संख्याः 24

इस संग्रह में समकालीन के साथ ही विविध पारम्परिक चित्र शैलियों से सजी हिन्दी जगत् के कई परिचित रचनाकारों की लम्बी कविताएँ हैं। ये मूल रूप से चकमक में छपी थीं। आठ-नौ साल की उम्र से बड़े बच्चों को इन्हें पढ़ने, गाने और गुनने में रस आएगा। कविता पसन्द करने वाले बड़ों को भी इनका मिज़ाज भाएगा।

बाँकी बाँकी धूप

ISBN: 978-81-87171-00-3

आकारः 7.75"x 10.5"

पृष्ठ संख्याः 36

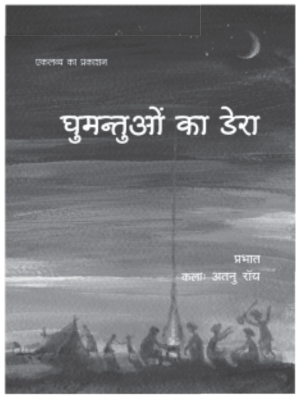

इस संग्रह में है घुमन्तू कविताएँ। घुमन्तू इसलिए कि बादल, हवा, बंजारा ये सब ठहरते नहीं, कुछ क्षण विराम लेते हैं फिर बढ़ जाते हैं आगे और आगे। इन कविताओं में झलकता है जीवन, इसके रंग और आस-उम्मीद। चित्रों ने कविताओं को जीवन्त कर दिया है।

घुमन्तुओं का डेरा

कविताएँः प्रभात

चित्रः अतनु रॉय

ISBN: 978-81-89976-77-4

आकारः 7.75"x 10.5"

पृष्ठ संख्याः 28

नाम के अनुरूप ही गरजती-बरसती-गड़गड़ाती कविताएँ हैं इस संग्रह में । इनको पढ़ते हुए कुछ ऊटपटांग से सवाल ज़ेहन में आएँगे। हँसेंगे, सोचेंगे और इन कविताओं को गाएँगे-दोहराएँगे।

मेघ की छाया

कविताएँः प्रभात

चित्रः अतनु रॉय

ISBN: 978-81-89976-76-7

आकारः 7.75"x 10.5"

पृष्ठ संख्याः 20

www.eklavya.in
www.eklavya.in

चुलबुली तुकबन्दियाँ। अद्भुत कल्पनाएँ। संक्षिप्त पर मज़ेदार कविताएँ। छोटे बच्चे इन्हें चटपट याद कर गा सकते हैं। प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने में मददगार।

क्यों जी बेटा रामसहाय

संकलनः तेजी ग्रोवर

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-87171-86-7

आकारः 8.5"x 5.5"

पृष्ठ संख्याः 40

टेसू जी की कविता में छिपे हैं कुछ सरल से सवाल। और जवाब छिपे हैं चित्रों में। नई-नई गिनती सीखने वालों के लिए कविता और खेल संग गिनती भी। जितनी बच्चों को भाएगी उतनी ही शिक्षकों और अभिभावकों को भी।

टेसू राजा बीच बज़ार

कविताः निरंकार देव सेवक

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-89976-12-5

आकारः 10.5"x 8.5"

पृष्ठ संख्याः 20

दो पंक्तियों की कुछ अजूबा सी पर खूबसूरत कविताएँ। इनको खिलौनों की तरह उपयोग किया जा सकता है। परिवेश को नई दृष्टि से देखने का ढंग दिखलाती ये कविताएँ ताज़गी भरी हैं।

दूध जलेबी जग्गग्गा!

संकलनः तेजी ग्रोवर

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-87171-84-3

आकारः 8.5"x 5.5"

पृष्ठ संख्याः 40

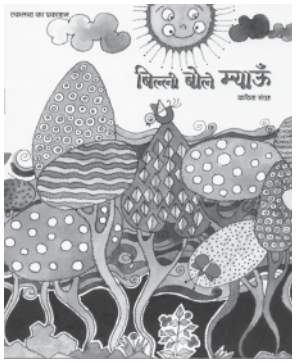

इन कविताओं में किस्से-कहानियाँ हैं, अनेक तरह के रंग हैं... वह सब कुछ है जो प्राथमिक स्तर के बच्चों को भाषा की दुनिया की ओर आकर्षित करता है। इन कविताओं को हावभाव के साथ गाया भी जा सकता है।

बिल्ली बोले म्याऊँ

ISBN: 978-81-87171-02-7

आकारः 6.5"x 8.25"

पृष्ठ संख्याः 36

मालवी भाषा के शब्दों के साथ बुनी गई थोड़ी-सी लम्बी कविता। एक-दूसरे से ऊँचा होने की होड़ में नाना-नानी ने किन-किन चीज़ों का सहारा नहीं लिया। नानी चढ़ी मकान पर तो नाना चढ़े पहाड़। फिर नानी ऐसी जगह चढ़ी कि नाना पा न सके पार। शब्दों की पुनरावृत्ति शब्द भण्डार को समृद्ध बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

नाना-नानी

कविताः घनश्याम तिवारी

चित्रः धनंजय

ISBN: 978-81-87171-87-4

आकारः 8.5"x 7.25"

पृष्ठ संख्याः 12

लहरों में मचलती नाव, पास आती बैलों की गाड़ी, फूलों पर मँडराती तितली, नाचती कठपुतली.... तरह-तरह की कविताएँ। जिनके सिरे जुड़े हैं ज़िन्दगी से, परिन्दों से, नटखट बचपन से।

धूप खिली है हवा चली है

कविताएँः प्रयाग शुक्ल

चित्रः तापोसी घोषाल

ISBN: 978-81-89976-58-3

आकारः 9"x 7"

पृष्ठ संख्याः 20

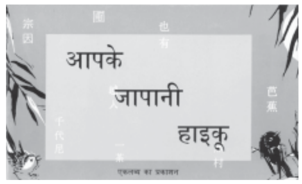

हाइकू यानी जापानी शैली की छोटी कविताएँ। हाइकू वो सब कुछ है जिसे आप महसूस करते हैं। यह कोई दृश्य, मौसम की विशेष बात या आसपास के परिवेश की सामान्य घटना भी हो सकती है। इस किताब में मूल जापानी हाइकू को अँग्रेज़ी से हिन्दी में अनूदित किया गया है।

आपके जापानी हाइकू

संचयनः तेजी ग्रोवर

चित्रः रानू टाइटस

ISBN: 978-81-87171-79-9

आकारः 8.5"x 5.5"

पृष्ठ संख्याः 32

www.eklavya.in

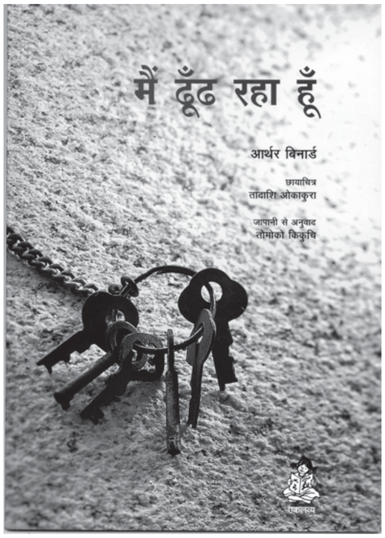

जापान के हिरोशिमा व नागासाकी पर सन् 1945 में हुए परमाणु हमले की त्रासदी से सब वाकिफ हैं। इस त्रासदी की यादों को हिरोशिमा शान्ति स्मारक ने संजोकर रखा है। संग्रहालय में रखीं 24000 वस्तुओं में से 14 चुनिन्दा वस्तुओं पर अमरीकी कवि आर्थर बिनार्ड ने जापानी भाषा में कविताएँ लिखी हैं। इन कविताओं का हिन्दी संस्करण मैं ढूँढ रहा हूँ संकलन के रूप में प्रकाशित हुआ है। बच्चों व बड़ों दोनों के लिए एक उपयोगी कविता संग्रह।

मैं ढूँढ रहा हूँ

कविताः आर्थर बिनार्ड

जापानी से अनुवादः

तोमोको किकुची

ISBN: 978-93-85236-12-9

आकारः 7.25” X 10.25”

पृष्ठ संख्याः 36

अकाल और उसके बाद नागार्जुन की बहुप्रचलित कविता है। यह एक ऐसी कविता है जिसे हम जितनी भी बार पढ़ें, बाँधे रखती है। एकलव्य ने इस कविता को युवा पाठकों के लिए चित्र कविता के रूप में विकसित किया है। इस किताब के खूबसूरत चित्र कैरन ने बनाए हैं।

अकाल और उसके बाद

कविताः नागार्जुन

चित्रः कैरन हेडॉक

ISBN: 978-93-85236-28-0

आकारः 5.0” X 6.5”

पृष्ठ संख्याः 20

रुस्तम की ये कविताएँ युवा पाठकों को विचरणने का मौका देंगी। इस संकलन में पानी, पेड़, पत्ते, धूप, चट्टान, रंग, मिट्टी, चाँद, नींद, आवाज़, समय, पर्वतों और सपनों की खबर लेती कविताएँ आपको पढ़ने को मिलेंगी।

पेड़ नीला था और अन्य कविताएँ

कविताएँः रुस्तम

चित्रः कनक शशि

ISBN: 978-93-85236-15-0

आकारः 4.5” X 8.5”

पृष्ठ संख्याः 32

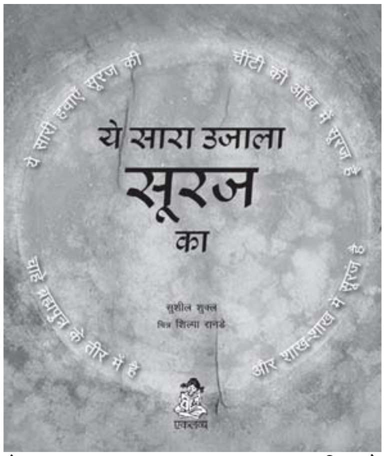

ये सारा उजाला सूरज का ही तो है! चींटी की आँख से लेकर, सात समन्दर तक – ये कविता सूरज के साथ चलती है, सूरज की रात में भी साथ। उसी तरह शिल्पा के उजले चित्र हर दिशा में अपने रंग बिखेरते हैं। वो जो सूरज है और ये जो हम हैं, क्या रिश्ता है इस बीच? इस किताब से बच्चों को प्रकृति से जुड़ने का और उसके प्रति संवेदनशील बनने का मौका मिलेगा। साथ ही, यह किताब बच्चों के मन में सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण को लेकर कई सवालों के बीज भी बोएगी।

ये सारा उजाला सूरज का

सुशील शुक्ल

चित्र: शिल्पा रानडे

ISBN : 978-93-91132-58-3

आकार: 8' x 9.5'

पृष्ठ संख्या: 616

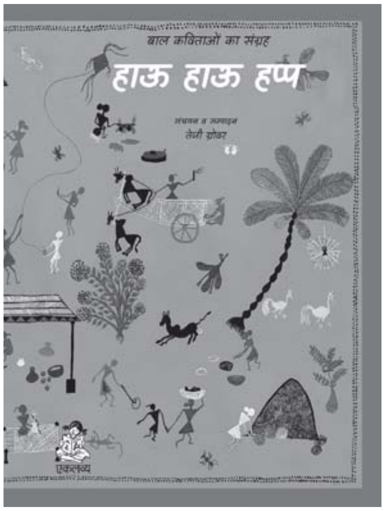

यह किताब कविताओं की एक मज़ेदार दुनिया है जिसमें देश के चर्चित कवियों की कविताएँ हैं। हर मिज़ाज़ की कविताएँ, छोटी कविताएँ, कुछ लम्बी कविताएँ। बच्चों को ये जितनी पसन्द आएँगी उतनी ही बच्चों के साथ काम करने वालों के लिए मददगार होंगी।

हाऊ हाऊ हप्प

तेजी ग्रोवर

चित्र: कनक शशि

ISBN: 978-83-85236-81-5

आकार: 7' x 9.5'

पृष्ठ संख्या: 60

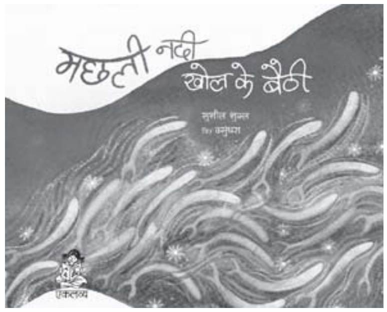

"सब कुछ खुल रहा है, खोला जा रहा है – नदी, हवाएँ, रंग, अँधेरा। सुशील की खुलती-खिलती कविता, वसुंधरा के गोता लगाते, छींटे उड़ाते चित्र; खोल रहे हैं मन में कैद भाव। यह किताब बच्चों के लिए प्रकृति को और अपने समाज को अलग-अलग नज़रियों से देखने के लिए कई खिड़कियाँ खोलेगी। झाँककर देखिए, जाने क्या मिल जाए!"

मछली नदी खोल के बैठी

सुशील शुक्ल

चित्र: वसुंधरा अरोरा

ISBN: 978-93-91132-00-2

आकार: 7.5' x 6'

पृष्ठ संख्या: 16

www.eklavya.in

आम का सूखा पेड़ आम की तस्वीर है। जैसे, घर में घर से खोए लोगों की तस्वीरें होती हैं। सूखे आम के पेड़ पर यादों के बौर आते हैं। यादों के पक्षी बोलते हैं। यादों के आम आते हैं। हम उसके तले धूप में खड़े उसकी छाया को याद करते हैं।

आम के सूखे पेड़ पर

सुशील शुक्ल

चित्र: कैरन हैडॉक

ISBN: 978-93-91132-81-1

आकार: 7’ x 6’

पृष्ठ संख्या: 16

छोटी व नॉन-सेंस कविताओं से बुना एक संकलन। कविताएँ ऐसी जिसमें तुकबन्दी है और पाठक के लिए मज़ा भी।

लाल फूलों की खुशबू पीली

बेनीप्रसन्न

चित्र: बेनीप्रसन्न

ISBN: 978-93-85236-94-5

आकार: 7’ x 9.5’

पृष्ठ संख्या: 24

बादल के इक टुकड़े में थी   उड़ती नन्ही एक चिड़ी चिड़ी चोंच में लिए हुए थी जगमग करती एक छड़ी।

बादलों से खेलती एक कविता।

आलू भालू चाँद समन्दर

श्याम सुशील

चित्र: शुभम लखेरा

ISBN: 978-93-87926-17-2

आकार: 7’ x 8.5’

पृष्ठ संख्या: 12

पेड़ों, जड़ों, फूलों, फलों से रंग उधार लो पेड़ों चढ़े बैठे हैं कान्धे उतार लो चित्र बनाने की प्रक्रिया तभी शुरू हो जाती है जब आप तपती दोपहर में गुलमोहर के ताज़े फूल चुनने बाहर निकलते हैं या बेमौसम जामुन की खोज करते हैं। फिर उनसे रंग उतारने के लिए उन्हें कूटते-छानते हैं। इसका ध्यान नहीं रहता कि इनसे क्या चित्र बनाएँगे। ध्यान रहता है तो सिर्फ कागज़ पर हो रहे जादू का।

ओ पेड़ रँगरेज़

लेखन व चित्र: कनक शशि

कविताएँ: सुशील शुक्ल

ISBN: 978-93-85236-17-4

आकार: 10"×10"   पेज संख्या: 60

हमारे आसपास की दुनिया में कई ऐसे लोग होते हैं जिनके काम हमें देखकर भी नज़र नहीं आते। इस किताब की मदद से आप बच्चों के साथ उन्हीं लोगों के बारे में चर्चा कर सकते हैं। कविता पर चर्चा करते समय फेरीवाले के काम, उनकी दिनचर्या, कितने तरह के सामान फेरीवाले बेचते हैं इस पर चर्चा कर सकते हैं।

फेरीवाले

सुशील शुक्ल
चित्र: नीलेश गहलोत
ISBN: 978-93-91132-97-2
आकार: 7' x 8.5'
पृष्ठ संख्या: 16

एक खबर के कारण मची खलबली...। खबर नहीं कोई ऐसी-वैसी, सोच भी नहीं सकते जैसी। शब्दों का कमाल, लय और ताल, कहानी में धमाल...

आई एक खबर

शान्ति अग्रवाल
चित्रांकनः सौम्या मेनन
ISBN: 978-81-89976-90-3
आकारः 7.5"x 8.5"
पृष्ठ संख्याः 20

चींटा बना रहा है घर, जा रहा है बाज़ार, ला रहा है गन्ना और कर रहा है बहुत कुछ। यह सब किया जा रहा है चींटी के लिए। क्या चींटी खुश होगी?

चींटा

एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा समूह द्वारा संकलित
चित्रः सौम्या मेनन
ISBN: 978-93-81300-90-9
आकारः 7"x 8.5"
पृष्ठ संख्याः 16

www.eklavya.in

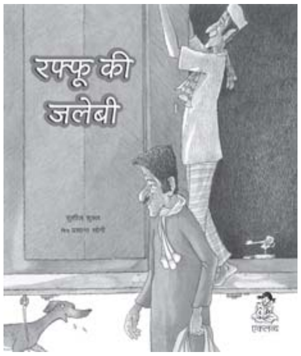

एक खूबसूरत कविता

रफ्फू की जलेबी

सुशील शुक्ल

प्रशान्त सोनी

ISBN: 978-93-91132-99-6

आकार: 8' x 9.5'

पृष्ठ संख्या: 24

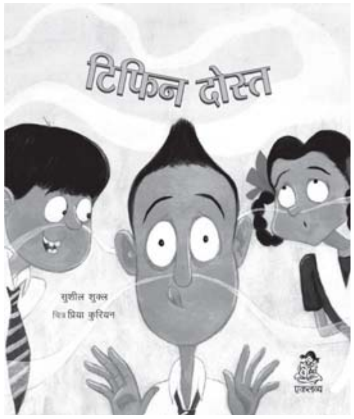

दोस्तों के टिफिन हैं
ये दोस्ती के टिफिन हैं
खुलते ही महक उठते हैं
घर घर के किचन हैं

टिफिन दोस्त

सुशील शुक्ल
प्रिया कुरियन

ISBN: 978-93-91132-05-7

आकार: 8' x 9.5'

पृष्ठ संख्या: 16

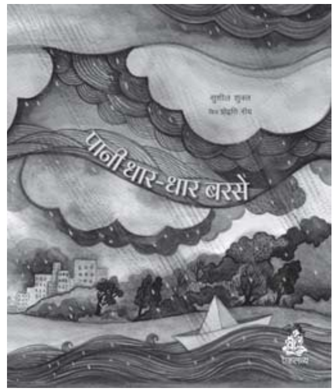

पेड़-पेड़ के तलुए भीगे
डाल के भीतर पत्ते
आधी हुगली सागर भागी
आधी गई कलकत्ते

पानी धार धार बरसे

सुशील शुक्ल

प्रोइति रॉय

ISBN: 978-93-91132-98-9

आकार: 8' x 9.5'

पृष्ठ संख्या: 16

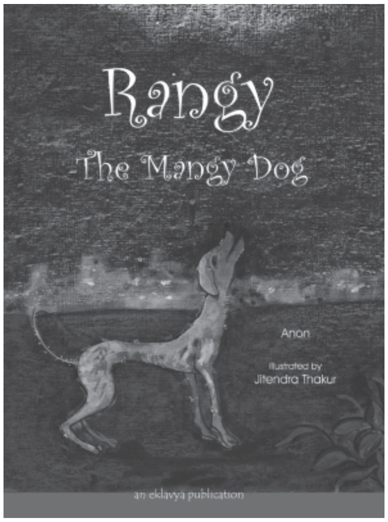

It's a winter night. The misty moonlight feels like snow. How does a street-dog fight the cold? It sings!
This simple poem book is meant for early readers and all dog lovers.

Rangy - The Mangy Dog

Anon

Illustration: Jitendra Thakur

ISBN: 978-93-81300-11-4

Dimensions: 7''x 9.5''

Pages: 12

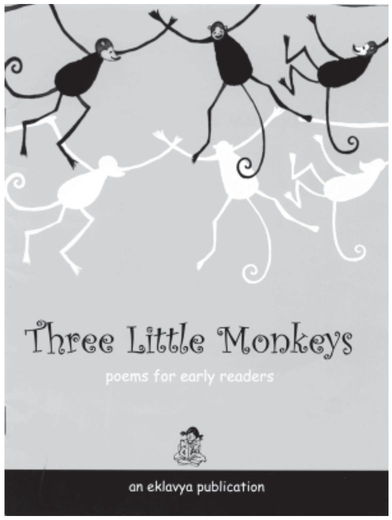

Children learn language from familiar contexts. All the poems of this collection encourage children to play with sounds and meanings of various words in a familar and fun-filled context.

Three little monkeys

Compilations: Ruth Rastogi and Anjali Noronha

Illustration: Kanak

ISBN: 978-81-87171-98-0

Dimensions: 7''x 9.5''

Pages: 24

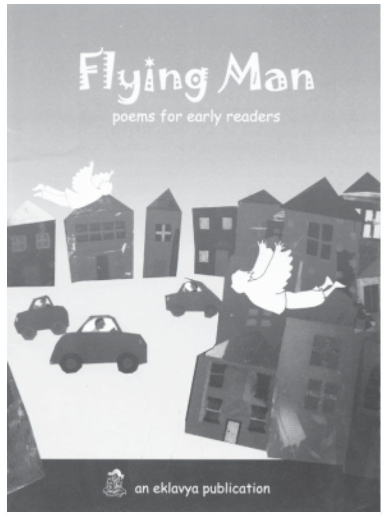

A collection of rhythmic poems for children above 3 years age. All the poems are simple and easy to sing and play-act. Useful for teachers as a bank of activity ideas for language teaching and learning.

Flying Man

Compilation: Ruth Rastogi and Anjali Noronha

Illustration: Kanak

ISBN: 978-81-87171-99-7

Dimensions: 7''x 9.5''

Pages: 28

www.eklavya.in

बड़ों द्वारा बच्चों के लिए लिखी गई चकमक में प्रकाशित कविताएँ। इन्हें पढ़ते हुए बच्चों को ये अपनी-सी लगेंगी।

नई सवारी

ISBN: 978-81-87171-30-0
आकारः 3.5"x 5.5"
पृष्ठ संख्याः 12

मन करता है चिड़िया बनकर चीं-चीं चूँ-चूँ शोर मचाऊँ... आ आ आक छूँ...। ध्वनियों के साथ-साथ शब्दों का उतार-चढ़ाव छोटे बच्चों को भाषा के कई आयामों से जोड़ेगा। चकमक में प्रकाशित कविताओं का संकलन।

फर फर फर उड़ी पतंग

ISBN: 978-81-87171-19-5
आकारः 3.5"x 5.5"
पृष्ठ संख्याः 12

eklavya

बड़ी किताबें

बिग बुक आकार में प्रकाशित पहली किताब।

खिचड़ी... एक लोक कथा

लेखक: एक लोक कथा
प्रस्तुति: जितेंद्र कुमार
चित्र: दुर्गाबाई व्याम
ISBN: 978-81-89976-03-3
आकार: 12' x 17'
पृष्ठ संख्या: 12

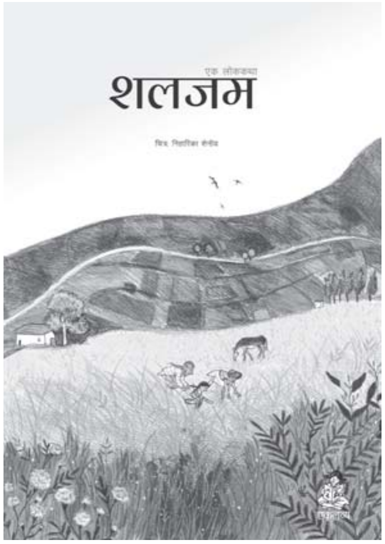

एक बूढ़े को चाह थी कि उसके बागान में एक बड़ा व मीठा शलजम उगे। तो उगा लिया उसने मीठा व बड़ा-सा शलजम। पर बूढ़ा उसे निकाल न पाया। अब बूढ़ा भला क्या करेगा...किसी की मदद लेगा या फिर कोई तरकीब भिड़ाएगा?

शलजम

चित्र: निहारिका शेनोय
ISBN: 978-81-946518-2-6
आकार: 12' x 17'
पृष्ठ संख्या: 16

हाट-बाज़ार, कितना कुछ हो रहा है बाज़ार में। मेला, रेला, मिठाई, भागमभाग। मज़ेदार कविता, दोहराव से भरी।

बाज़ार

लेखक: प्रशिका ग्रुप
चित्र: प्रशांत सोनी
ISBN: 9789391132651
आकार: 12' x 17'
पृष्ठ संख्या: 12

www.eklavya.in
www.eklavya.in

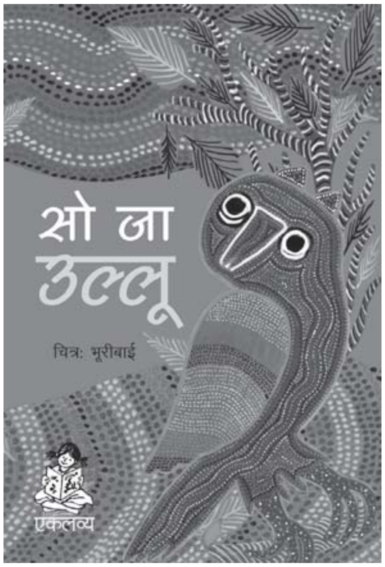

उल्लू सोने की कोशिश कर रहा है, पर जंगल के जानवर आवाज़ें निकाल-निकालकर उसे सोने नहीं दे रहे हैं। अब उल्लू कैसे सोए?

सो जा उल्लू

सो जा उल्लू
चित्र: भूरी बाई
ISBN: 978-93-85236-90-7
आकार: 12' x 17'
पृष्ठ संख्या: 18

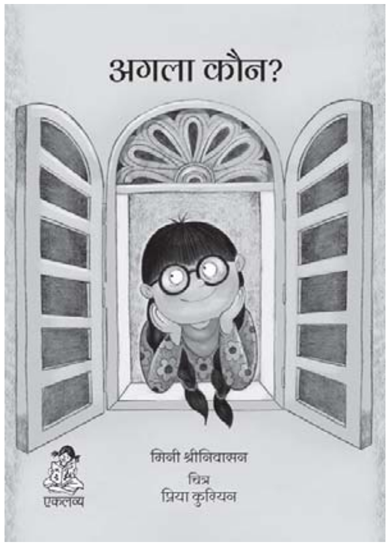

अमीना ऊबी हुई है। वह अपने हरेक खिलौने से खेलकर उकता चुकी है। अपनी बोरियत दूर करने के लिए उसे कुछ सूझ नहीं रहा है। तभी उसे कहीं से कुछ आवाज़ सुनाई देती है...

अगला कौन

लेखक: मिनी श्रीवास्तव
चित्र: प्रिया कुरियन
ISBN: 9788194651857
आकार: 12' x 17'
पृष्ठ संख्या: 22

Also available in English

Who's Next ?
ISBN: 9788195035-786
Size: 12' x 17'
No. of Pages: 22

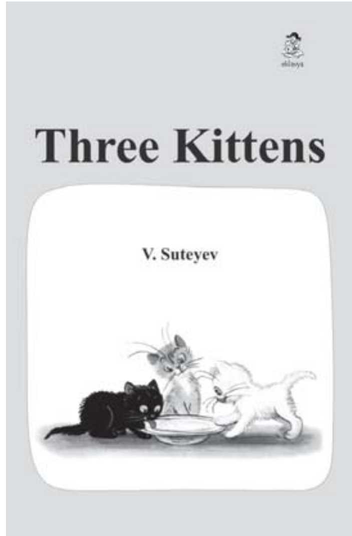

Black, brown and white kitten are on a spree to catch a rat. Read to find out where the spree takes them. Simple text and striking visuals makes this a delightful read. Also available in big book format, which is ideal for read aloud in the classroom.

Three Kittens

Author: V Suteyev
Illustrator: V Suteyev
ISBN: 978-93-85236--99-0
Size: 12' x 17'
No. of Pages: 16

बिल्ली के बच्चे

ISBN: 978-81-89976-67-5
Size: 12' x 17'
No. of Pages: 16

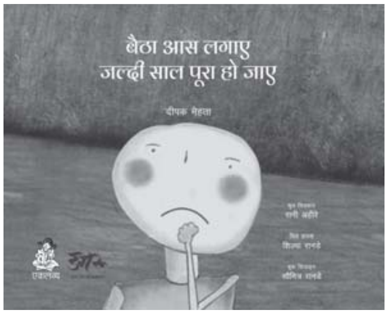

सभी दोस्तों को पास थी साइकिल। उसे था साइकिल का इन्तज़ार। आखिरकार साइकिल मिली पर दूसरी मुश्किल सामने थी। अरे भाई, साइकिल चलाने की!

बैठा आस लगाए जल्दी साल पूरा हो जाए

लेखक: दीपक मेहता

चित्र: रानी अहिरे, शिल्पा रानडे, सौमित्र रानडे

ISBN: 978-93-911323-4-7

आकार: 12' x 17'

पृष्ठ संख्या: 24

"अप्पू का वज़न कितना होगा?" जल्द ही सारा राज्य इस सवाल का जवाब खोजने में जुट गया। क्या जवाब मिल पाया? और यह अप्पू है कौन?

अप्पुकुट्टन को तौलें कैसे?

कहानी: इन्दु हरिकुमार

चित्र: इन्दु हरिकुमार

ISBN: 978-93-87926-45-5

आकार: 12' x 17'

पृष्ठ संख्या: 24

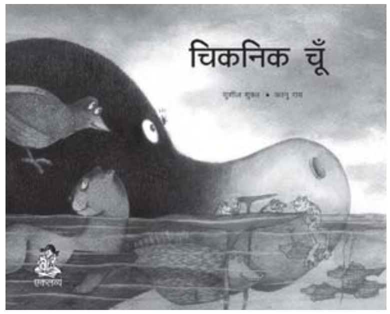

भैंस आज चुपचाप बैठना चाहती है, पर उसके सिर का जूँ उससे सवाल पूछे जा रहा है...

चिकनिक चूँ चिकनिक चूँ सिर पर सींग उगाए क्यूँ?

चिकनिक चूँ

सुशील शुक्ल

चित्र: अतनु रॉय

ISBN: 978-93-85236-05-1

आकार: 12' x 17'

पृष्ठ संख्या: 16

www.eklavya.in

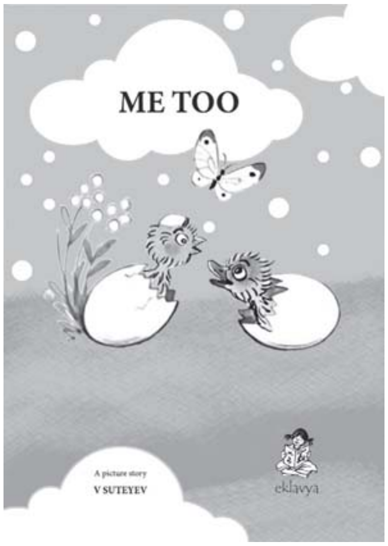

Me Too...

A newly hatched chick is following a duckling Do they get into trouble? Beautiful and warm illustrations enliven the story.

Author: V. Suteyev

Illustrator: V. Suteyev

ISBN: 978-81-89976-93-4

Size: 12 x 17

No. of Pages: 10

Also available in Hindi

मैं भी...

ISBN: 978-93-91132-07-1

Size: 12 x 17

No. of Pages: 10

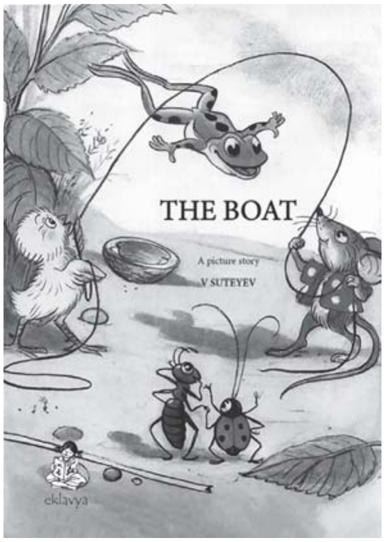

A story of five friends a frog, a chicken, a mouse, a lady bird, and an ant. While strolling along they reached a pond and were tempted to swim in it. No one except frog knew how to swim! Find out how all the animals sailed through the pond even before the frog could. The dramatic pictures add to the mystery element of the story.

The Boat

Author: V. Suteyev

Illustrator: V. Suteyev

ISBN: 978-93-91132-77-4

Size: 12 x 17

No. of Pages: 10

Also available in Hindi

नाव चली

ISBN: 978-93-91132-15-6

Size: 12 x 17

No. of Pages: 10

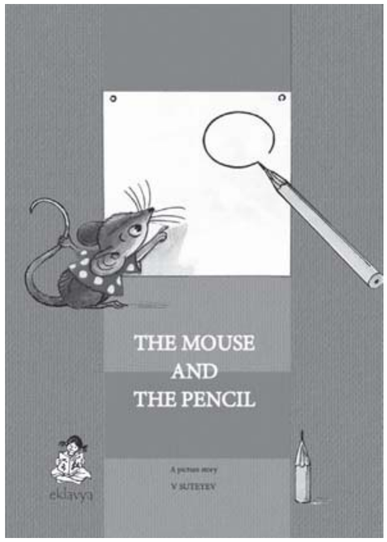

The Mouse and the Pencil

A hilarious picture story of a mouse who found a pencil that he wanted to gnaw on. Find out what the pencil does to escape. Creatively illustrated pictures move the story on.

Author: V. Suteyev

Illustrator: V. Suteyev

ISBN: 978-93-91132-85-9

Size: 12 x 17

No. of Pages: 10

Also available in Hindi

चूहे को मिली पैंसिल

ISBN: 978-93-91132-30-9

Size: 12 x 17

No. of Pages: 10

साल 2022 में एकलव्य ने अपने 40 साल पूरे किए हैं और होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम (होविशिका) ने 50 साल।

इस सूची-पत्र (कैटलॉग) में एकलव्य द्वारा प्रकाशित 500 से ज़्यादा किताबों की संक्षिप्त जानकारी है। ये किताबें बच्चों के लिए चित्रकथाएँ, कविता संग्रह, अकॉर्डियन किताबें, पोस्टर सेट, कविता कार्ड सेट और बोर्ड बुक आदि फॉर्मेट में हैं। साथ ही बच्चों के लिए गतिविधियाँ और गैर-कथा साहित्य भी उपलब्ध है। शिक्षक और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वालों के लिए किताबें और शिक्षण सामग्री हैं। तो आइए, तरह-तरह की किताबों से वाकिफ होइए, दूसरों को भी बताइए और मन करे तो कुछ किताबें भी साथ लेते जाइए!

Eklavya's one-stop education store

pitara@eklavya.in www.eklavya.in

पिटारा
एकलव्य फाउंडेशन
जमनालाल बजाज परिसर, जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 297 7770-71-72; ईमेल: info@eklavya.in

एकलव्य